राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 10जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–346 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ललन सिंह साइड, संजय झा का कद बढ़ा, नीतीश ने लोकसभा चुनाव के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में दूसरी पीढ़ी के नेताओं को आगे बढ़ाने में लग गए हैं। नीतीश खुद और उनकी पार्टी की टॉप लीडरशिप में गिने जाने वाले बिजेंद्र प्रसाद यादव, रामनाथ ठाकुर 70 पार कर चुके हैं। ललन सिंह और विजय चौधरी जैसे नेता भी 65 प्लस हैं। ऐसे में नीतीश ने पार्टी के अंदर बीजेपी से आए संजय कुमार झा और कांग्रेस से आए अशोक चौधरी को आगे बढ़ाना शुरू किया है जो आगे चलकर पार्टी को संभाल सकें। दोनों 56-57 साल के हैं और भारतीय नेताओं की उम्र के लिहाज से युवा हैं। मुंगेर लोकसभा से चुनाव लड़ने के लिए जेडीयू के राष्ट्रीय पद से इस्तीफा देकर ललन सिंह खुद साइड हो गए हैं।

ऐसे में राष्ट्रीय राजनीति में जेडीयू के हितों की रक्षा के लिए नीतीश ने संजय कुमार झा को आगे बढ़ाया है जिन्हें वो अपनी सरकार में लगातार तीसरी बार मंत्री बना चुके हैं। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस से चल रही बातचीत में जेडीयू से संजय झा ही नीतीश के दूत हैं। नीतीश ने संजय झा को यह बड़ी चुनावी जिम्मेदारी सौंपी है कि वो सीट बंटवारा में जेडीयू की सीट बचाकर ले आएं। संजय झा दिल्ली की राजनीतिक गलियों को बखूबी जानते हैं। अरुण जेटली के जमाने से बीजेपी और जेडीयू के बीच सेतु का काम कर रहे संजय झा की जेडीयू में एंट्री भी जेटली के कहने पर नीतीश ने कराई थी। तब से वो नीतीश के सबसे भरोसेमंद सहयोगी के तौर पर उभरे हैं। जब भी नीतीश के मन बदलने की चर्चा होती है तो चर्चा संजय झा की होती है क्योंकि ऐसा कोई भी परिवर्तन हुआ तो उसके सूत्रधार वही होंगे। संजय झा गठबंधन में कड़ी सौदेबाजी कर रहे हैं। जेडीयू बिहार की 40 लोकसभा सीटों में 16 सीटों पर चर्चा को भी तैयार नहीं है जहां इस समय उसके सांसद हैं। ये सब 2019 में एनडीए के बैनर तले जीते थे। जेडीयू के कड़े स्टैंड से आरजेडी और कांग्रेस का गेम खराब हो रखा है। आरजेडी जेडीयू से कम सीट लड़ने को तैयार नहीं है। बची 24 सीट में कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई-माले, सीपीआई और सीपीएम के दावे हैं। कांग्रेस मांग 10 सीट रही है लेकिन 6-7 से कम पर तैयार नहीं है। 12 विधायकों वाली सीपीआई-एमएल को भी कम से कम दो सीट चाहिए। सीपीआई-सीपीएम में कम से कम एक सीट लगेगी और वो सीट सीपीआई को मिल सकती है।

चार पार्टियों को कम से कम 10 सीट चाहिए। ये तभी हो सकता है जब जेडीयू और आरजेडी 15-15 सीट पर आने को तैयार हो। 16 सिटिंग सीटें नहीं छोड़ने का जेडीयू का टफ स्टैंड कांग्रेस और आरजेडी को संदेश है कि सीट बंटवारा में जेडीयू से बात करने की कोई जरूरत नहीं है। 24 सीटें बची हैं जिसमें आप लोग आपस में देख लो। संजय झा कांग्रेस नेताओं से लगातार बात कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस जेडीयू के फॉर्मूले पर राजी नहीं है। जेडीयू कांग्रेस की डिमांड को नहीं मान रही है। नीतीश की कथित नाराजगी के बाद से ही असमंजस में चल रही आरजेडी की कोशिश है कि किसी भी तरह जेडीयू इधर-उधर ना हो जाए।

गजनगर या हरनंदी नगर; क्या होगा गाजियाबाद का नया नाम; चर्चा तेज

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहर गाजियाबाद का नाम क्या बदल जाएगा। एक बार फिर गाजियाबाद का नाम बदले जाने की चर्चा तेज हो गई है। 2018 में इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज किए जाने के बाद से इसकी शुरू हुई चर्चा अब नगर निगम में प्रस्ताव तक पहुंच चुकी है। संभव है कि जल्द ही नगर निगम से प्रस्ताव पास करके इस दिशा में कदम आगे बढ़ा दिया जाए। बताया जा रहा है कि नगर निगम में गाजियाबाद के नए नाम के रूप में दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है- गजनगर और हरनंदीनगर। समाचारपत्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वार्ड नंबर 100 के भाजपा पार्षद संजय सिंह ने प्रस्ताव नगर निगम में पेश किया है, जिसे बोर्ड की बैठक में चर्चा के लिए लाया जा सकता है। सदन में भाजपा के पास बहुमत होने की वजह से प्रस्ताव के पास होने की उम्मीद की जा रही है। गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल ने शहर का नाम बदले जाने का प्रस्ताव मिलने की पुष्टि की है। इससे पहले 2022 में भी दूधेश्वर नाथ मंदिर के पुजारी महंत नारायण गिरी गाजियाबाद का नाम बदलवाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। उन्होंने सीएम को एक ज्ञापन सौंपते हुए कई नाम सुझाए थे। उन्होंने गाजियाबाद का नाम गजप्रस्थ, दूधेश्वररथ नगर या हरनंदीपुरम करने का प्रस्ताव पेश किया था। गिरी ने कहा था कि यह नगर महाभारतकालीन है और कभी हस्तीनापुर का हिस्सा हुआ करता था जो यहां से महज 40 किलोमीटर की दूरी पर है।

वाराणसी के पांच लाख लोगों को दुर्गंध से मिलेगी निजात

नगर निगम ने तैयार किया प्लान

वाराणसी। शहर के पांच लाख लोगों को दुर्गंध से निजात मिलेगी। मार्च से पहले 13 और कूड़ा घरों को हटाया जाएगा। वहीं कूड़ा लदे ट्रक भी नहीं दिखेंगे। नगर निगम कूड़ाघरों में पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन (पीसीटीएस) लग रहे हैं। छह कूड़ा घरों में पीसीटीएस लगाने का काम चल रहा है। शहर की आबादी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसके सापेक्ष कूड़ा भी निकल रहा है। प्रतिदिन 600 टन कूड़ा निकलता है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. एनपी सिंह ने बताया कि अब तक दो कूड़ाघरों में पीटीएस लग चुका है। इस चार और कूड़ाघरों मे लगाने का काम चल रहा है। कूड़ा घरों में कांपैक्टर लगाने के साथ ही हुक लोडर भी खरीदे जाएंगे। इससे खुले में कूड़ा ढोने वाली गाड़ियां नहीं दिखेगीं। नगर निगम प्रशासन की ओर से सोनिया, पितरकुंडा, काशी विद्यापीठ, बेनिया, आदमपुर, पीलीकोठी, शिवाला, भदउचुंगी, दुर्गाकुंड, नरिया, सारनाथ में दो और शिवपुर का कूड़ाघर हटाया जाएगा। वहीं 15 करोड़ की लागत से पीसीटीएस मशीनें लगेंगी। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने कहा कि शहर को साफ व स्वच्छ रखने के लिए कूड़ाघरों में पीसीटीएस लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए आपचारिकताएं पूरी कर

राजनाथ सिंह का यूके दौरा क्यों अहमए 22 साल बाद पहुंचा कोई रक्षा मंत्रीय

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिनों के दौरे पर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इस दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच कुछ रणनीतिक और सुरक्षा करारों पर मुहर लग सकती है। यह यात्रा पहले जून 2022 में होने वाली थीए लेकिन यह अब हो रही है। भारत के किसी रक्षा मंत्री का बीते 22 सालों में यह पहला ब्रिटेन दौरा है। कहा जा रहा है कि अप्रैल 2022 में पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मुलाकात हुई थी। इसी दौरान दोनों के बीच डिफेंस पार्टनरशिप पर आगे बढ़ने को लेकर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यूके के डिफेंस मिनिस्टर ग्रैंट शैप्स से मुलाकात होगी। यही नहीं वह लंदन में स्थित महात्मा गांधी और डॉण् बीआर अंबेडकर मेमोरियल का भी दौरा करेंगे। राजनाथ सिंह के साथ डीआरडीओ के प्रतिनिधि और डिफेंस इंडस्ट्री के कुछ लीडर्स पर भी होंगे। उनकी मुलाकात पीएम ऋषि सुनक और विदेश मंत्री डेविड कैमरून से भी होगी। इस यात्रा को भारत और ब्रिटेन के रिश्तों के लिहाज से अहम माना जा रहा है और दोनों देशों के बीच भरोसा जगाने के लिए यह अहम है। खासतौर पर तब जब पीएम ऋषि सुनक सितंबर 2023 में जीण्20 समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। यह विजिट इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत ने हाल ही में खालिस्तानी तत्वों को यूके में शरण मिलने को लेकर चिंता जताई थी। यह यात्रा भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अहम है। दरअसल अब तक ब्रिटेन भारत के साथ रणनीतिक संबंधों के मामले में टॉप 5 देशों में शामिल है। इसके अलावा रोल्स रॉयसए जीई जैसी कई ब्रिटिश कंपनियां भी हैंए जो भारत में मेक इन इंडिया मुहिम का हिस्सा बनना चाहती हैं। बता दें कि बोरिस जॉनसन और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच हुई मुलाकात में दोनों देशों में ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस बनाने पर फैसला हुआ था। यही नहीं भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर भी काफी तेजी से चर्चा चल रही है।

दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर ट्रक से टकराकर चकनाचूर हुई कार

दिल्ली पुलिस के 2 इंस्पेक्टरों की मौत

सोनीपत। दिल्ली को हरियाणा से जोड़ने वाले सोनीपत जिले में कुंडली बॉर्डर के पास सोमवार रात एक कार एक कैंटर की टक्कर में दिल्ली पुलिस के दो इंस्पेक्टरों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार के आगे से परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से सटे सोनीपत के कुंडली बॉर्डर के पास सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे हरियाणा नंबर की डार्क ग्रे कलर की हुंडई वेन्यू कार संख्या HR 14R 3775 कैंटर (ट्रक) से टकरा जाने से दिल्ली पुलिस के दो इंस्पेक्टरों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार के अंदर फंसे दोनों घायल पुलिसवालों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सोनीपत पुलिस इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर हादसे की जांच में जुट गई है। मृतक पुलिस कर्मियों की शिनाख्त दिनेश बेनीवाल और रणवीर के रूप में हुई है।

एमपी–राजस्थान समेत 19 राज्यों में कोहरे का अलर्ट

हिमाचल में बर्फबारी; एमपी के 9, पंजाब के 12-हरियाणा के 13 शहरों में बारिश संभव

नई दिल्ली। देश के 19 राज्य ठंड और घने कोहरे की चपेट में हैं। कोहरे के कारण मध्य प्रदेश के भोपाल में मंगलवार 9 जनवरी की सुबह विजिबिलिटी 10 मीटर तक पहुंच गई। ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में विजिबिलिटी 50 से 500 मीटर के बीच रही। उत्तर प्रदेश के बरेली, वाराणसी और गोरखपुर में सुबह 5 बजे 25 मीटर विजिबिलिटी रही। राजस्थान के जैसलमेर में धुंध के कारण सड़कों पर चलना मुश्किल हो रहा है। यहां सुबह 5 बजे विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई। राजस्थान और बिहार में आज कोल्ड-डे का ऑरेंज अलर्ट है। IMD ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में बारिश की संभावना जताई है। ख्क्ष के भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर समेत 9 शहरों में आज हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। पंजाब के 13 और हरियाणा के 12 शहरों में बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश-बर्फबारी की संभावना है। दक्षिण के राज्यों में भी बारिश का अलर्ट है। ढ्ढरूष्ठ ने मंगलवार को तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप में बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 4-5 दिनों तक बारिश जारी रहने की आशंका है। तमिलनाडु में 9 और 10 जनवरी को भारी बारिश हो सकती है।

अगले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति–पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और बिहार में एक या दो जगहों पर घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति रह सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, ओडिशा और पूर्वोत्तर भारत में घना कोहरा छा सकता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। गुजरात के पूर्वी हिस्सों, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र में हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग की एडवाइजरी- ड्राइविंग में सावधानी रखें

ट्रैफिक - कोहरा होने पर गाड़ी चलाते समय या किसी ट्रांसपोर्ट के जरिए ट्रैवल करते समय सावधानी रखें। ड्राइविंग धीरे करें और फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। ट्रैवल शेड्यूल के लिए एयरलाइंस, रेलवे और स्टेट ट्रांसपोर्ट के संपर्क में रहें।

अयोध्या में शोभायात्रा कैंसिल, जन्मभूमि से बाहर नहीं निकलेंगे रामलला, सुरक्षा एजेंसियों ने बदलवाया प्लान

अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले निकलने वाली शोभायात्रा स्थगित कर दी गई है। यह शोभायात्रा 17 जनवरी को निकलने वाली थी। सुरक्षा वजहों से यह निर्णय लिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों से जुड़े लोगों ने बताया कि राम लला की नई मूर्ति की शोभा यात्रा अब 17 जनवरी को पूरे अयोध्या शहर में नहीं निकाली जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर मंदिर ट्रस्ट ने इसे रद्द कर दिया है। ट्रस्ट 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले होने वाले कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में उसी दिन राम जन्मभूमि (आरजेबी) परिसर के अंदर नई मूर्ति के दौरे की व्यवस्था करेगा। राम मंदिर ट्रस्ट ने अभिषेक समारोह के तहत 16 जनवरी से अयोध्या में सात दिवसीय विशेष अनुष्ठान की घोषणा की थी।

16 जनवरी को सरयू के तट पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा नियुक्त यजमान द्वारा प्रायश्चित अनुष्ठान के बाद, अगले दिन राम लला की नई मूर्ति के साथ अयोध्या शहर में एक जुलूस निकाला जाना था। उधर, श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट और मंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद ट्रस्ट के एक सदस्य ने मीडिया को बताया कि 12 जनवरी तक मंदिर निर्माण स्थल पर भूतल का काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर में लाइटिंग का काम पूराहो गया है।

मंदिर के शिखर पर लगने वाला ध्वज दंड पहुंचा–उधर, राममंदिर के शिखर पर लगने वाला ध्वज दंड अहमदाबाद से चलकर सोमवार को अयोध्या पहुंच चुका है। इस ध्वज को गुजरात में तैयार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार इसे पीतल के धातु से बनाया गया है। इसे बनाने में दो साल लगे। इसकी लम्बाई 44 फिट है। ध्वज जमीन से 220 फीट की ऊंचाई पर लहराएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को ध्वज दंड में धर्म ध्वज लगाएंगे।

काशी जैसी भव्य होगी सरयू आरती

भगवान शिव की नगरी काशी में जिस भव्यता के साथ मां गंगा की आरती होती है, उसी भव्यता के साथ अयोध्या में सरयू आरती भी होगी। इसके लिए काशी से दो प्रकांड विद्वान अयोध्या बुलाए जाएंगे। यह बातें पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहीं। वह अयोध्या में चल रही तैयारियों को लेकर सोमवार को पर्यटन भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। जयवीर सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्याधाम के सामने महर्षि वाल्मीकि की रामायण लिखते हुए मूर्ति लगेगी चूंकि भगवान राम सूर्यवंशी थे, इसलिए अयोध्या में भगवान सूर्य की भी मूर्ति लगेगी। प्रयास किया जा रहा है कि दोनों मूर्ति 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा से पहले लगाई जाएं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में संध्या मंच पर देश के प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा प्रभु श्रीराम पर आधारित भजन गाया जाएगा। अनूप जलोटा, साधो बैंड, प्रेम प्रकाश दुबे, बतूल बेगम, नितिन दुबे, रिचा शर्मा, तृप्ति शाक्या समेत कई अन्य गायक भजन सुनाएंगे। 14 जनवरी से ही मंदिरों में भजन-कीर्तन और रामायणपाठ शुरू हो जाएगा। प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने कहा कि अयोध्या विश्व की सुंदरतम नगरी के रूप में विकसित हो रही है।

दर्शन के बीच रामलला को मिलेगा आराम, लगेगा भोग

रामलला के सुकुमार रूप और चक्रवर्ती नरेश महाराज दशरथ के पुत्र के रूप में उनके वैभव और ऐश्वर्य को देखते हुए सेवा की तैयारी की जा रही है। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद वैभव तो दिखेगा ही, माता के वात्सल्य की छाया भी उन पर बनी रहेगी। उनकी आराधना के लिए इसी हिसाब से तैयारी की जा रही। इसके तहत रामलला की छह बार आरती की जाएगी।

रामलला की पूजा की विधि पर विचार के दौरान तय किया गया कि भगवान बाल रूप में रहेंगे, इसलिए उनकी पूजा का विधि-विधान भी वैसा ही होना चाहिए। बालक के अनवरत बैठे रहकर दर्शन देना अनुचित है। बीच-बीच में रामलला को विश्राम दिया जाए। 15-15 मिनट के लिए पर्दा डालकर मिष्ठान, फल का भोग भी लगे। महंत मिथिलेश कहते हैं कि हमें एक किशोर की वृत्ति को समझना पड़ेगा। इसके साथ दर्शन का क्रम शुरू होगा। मध्याह्न में राजभोग आरती, अपराह्न में पट बंद विश्राम,फिर उत्थापन आरती होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सिंगापुर से हमें जो सीखना चाहिए

यह प्रश्न ही कुछ अटपटा सा लगेगा कि भारत क्या सिंगापुर से कुछ सीख सकता है, खास तौर से इसलिए कि सिंगापुर भारत से बहुत छोटा है। 283 वर्गमील के क्षेत्रफल और 60 लाख से भी कम की आबादी वाले एक नगर-राज्य की 140 करोड़ की आबादी और अपने से कई हजार गुना क्षेत्रफल वाले राष्ट्र-राज्य से तुलना नहीं की जा सकती है। मगर दोनों के बीच कुछ ऐसी अद्भुत समानताएं हैं कि आप सहज रूप से यह समझने की कोशिश कर सकते हैं कि सिंगापुर ने समान चुनौतियों में एक राष्ट्र बनने की प्रक्रिया को कैसे संभव बनाया और क्या भारत उससे कुछ सीख सकता है? भारत की ही तरह सिंगापुर भी अद्भुत विविधताओं वाला भूभाग है। धार्मिक, नस्ली और भाषिक विविधताओं वाले इस समाज को एक राष्ट्र बनाने में इसके नेताओं के सामने पहाड़ जैसी चुनौतियां थीं। ऐतिहासिक रूप से यह एक वृहत्तर मलय राष्ट्रीयता का भाग हो सकता था। मलय प्रायद्वीप के दक्षिणी किनारे में स्थित सिंगापुर जलडमरूमध्य के साथ दक्षिणी चीन महासागर को छूता है। यहां चीन, दक्षिण भारत और आस-पास की मलय आबादी वाले द्वीपों से प्रवासन होता रहा और फलस्वरूप यह विविधताओं का अद्भुत संगम बन गया। बौद्ध, ईसाई, इस्लाम, ताओ और हिंदू धर्म के अनुयायियों के बीच नस्ली विभाजन बड़ा स्पष्ट दिखता है। ऐसे में, यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि सिंगापुर के राष्ट्र-निर्माताओं ने विविधता को कैसे कमजोरी से अपनी शक्ति मे तब्दील कर लिया! अमेरिका, यूरोप, चीन या पाकिस्तान के मुकाबले स्वाभाविक रूप से छोटे से नगर-राज्य सिंगापुर को हमारे विमर्श में बहुत कम स्थान मिल पाता है। उसके बारे में हमारा ध्यान मुख्यतः देश के पहले प्रधानमंत्री ली कुआन यू के उन असाधारण कारनामों की तरफ जाता है, जिनके चलते तीसरी दुनिया का एक निहायत पिछड़ा देश कुछ ही दशकों में पहली दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो गया। आज अपने नागरिकों को यह जैसा जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रहा है, वह अमेरिकी और यूरोपीय समाजों के लिए भी ईर्ष्या का बायस हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से सिंगापुर में रहते हुए मैं प्रशंसा भाव से एक नागरिक मित्र और सुविधा संपन्न शहरी बसावट को देखता रहा हूं, पर इन सबको जिस दृष्टि ने संभव बनाया, उसे भारतीय संदर्भों के साथ समझना मुझे ज्यादा प्रासंगिक लगता है। एक ब्रिटिश कॉलोनी सिंगापुर के हाकिमों को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद समझ में आ गया था कि भारत या दूसरी कॉलोनियों की तरह वे सिंगापुर को भी अधिक दिनों तक अपने अधीन नहीं रख पाएंगे और उन्होंने दूसरे अधीन राष्ट्रों की तरह इसे भी क्रमशः आजादी देनी शुरू कर दी। सबसे पहले घरेलू मसलों को स्थानीय नेतृत्व को सौंपते हुए 1959 में ली कुआन यू को मुख्यमंत्री बनाया गया और फिर धीरे से सत्ता का हस्तांतरण करते हुए वह स्वतंत्र गणतंत्र के पहले प्रधानमंत्री बनाए गए। ली को विविधता में छिपी अपनी कमजोरियों का एहसास था और उन्होंने इतिहास का सहारा लेते हुए सिंगापुर को वृहत्तर मलय राष्ट्र का हिस्सा बनाते हुए मलेशिया में स्वयं का विलय कर दिया। यह व्यवस्था कुछ वर्ष भी नहीं चल पाई, क्योंकि जहां उनका दल 'पीपुल्स एक्शन पार्टी' (पीएपी) धर्मनिरपेक्ष राजनीति करना चाहता था, वहीं मलेशिया के प्रमुख नेता टुंकू अब्दुल रहमान और टुन अब्दुल रज्जाक धार्मिक पहचान को राजनीति से पृथक करने को तैयार न थे।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

खतरे में है तेल कीमतों की स्थिरता

सुषमा रामचंद्रन

पिछले साल जो भू-राजनीतिक तनाव बना रहा वह अब नए साल में भी उभर आया है। लाल सागर में यमनी हुती लड़ाकों के व्यापारिक जहाजों पर हमले जारी हैं, भले ही अमेरिकी नौसेना ने उनके कुछ ड्रोन्स मार गिराए हैं। इस इलाके में लड़ाई छिड़ने का जो असर होगा, उसका आघात बृहद वैश्विक अर्थव्यवस्था को अवश्यंभावी है। इसका प्रभाव भारत की आर्थिकी की पुनर्स्थापना पर भी रहेगा, जो कि पिछले दो सालों से बाहरी थपेड़ों से किसी तरह खुद को बचाए रखकर, विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। यदि तनाव आगे बढ़ता है और स्वेज़ नहर से होकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक जहाज़ों की आवाजाही में विघ्न जारी रहा तो इससे यूरोप और एशिया के मध्य माल ढुलाई का भाड़ा बढ़ जाएगा। अधिकांश जहाजरानी ने पहले ही केप-ऑफ-होप से होकर, लंबा किंतु महंगा पड़ने वाला रास्ता चुनना शुरू कर दिया है। इससे दो महाद्वीपों के बीच जलीय दूरी में लगभग 6000 नॉटिक्ल माइल्स जुड़ जाते हैं। यूरोप-एशिया व्यापार का लगभग 42 फीसदी भाग स्वेज़ नहर से होकर है और एशिया की तरफ से आने पर, इस नहर तक पहुंचने के लिए, लाल सागर से गुजरना लाजिमी है। लाल सागर के प्रवेश मुहाने पर, उन्हें यमन और एरीट्रिया के बीच की बाब-अल-मंदेब खाड़ी से होकर गुजरना पड़ता है। यही वह जलीय क्षेत्र है, जहां पर यमन के अधिकांश भूभाग पर नियंत्रण रखने वाले हूती लड़ाके जहाज़रानी को निशाना बना रहे हैं, किश्तियों से या फिर ड्रोन्स के जरिए। हमास की मदद के इरादे से, हुती हरेक उस जहाज़ को निशाना बने रहे हैं, जिसका संबंध इस्राइल से हो। गौरतलब है कि रूस और चीन से संबंधित जलपोतों को बख्शा जा रहा है। लेकिन भारतीय-ध्वज लगे जहाज या फिर भारत से या भारत तक मालवाहक भी खतरे की ज़द में हैं, जैसा कि हालिया ड्रोन हमले ने दर्शाया है। अमेरिका ने तमाम देशों को गोलबंद करते हुए ऑपरेशन प्रोसेपैरिटी गार्डियन नामक प्रतिरोधक मोर्चा बनाया, जिसका मकसद स्वेज़ नहर से होकर जलपरिवहन को सुरक्षा देना था। इससे उत्साहित होकर डेनमार्क की नामी मेयर्स्क नामक जहाजरानी कंपनी ने आवाजाही शुरू कर भी दी, लेकिन नवीनतम हमलों ने इस जलीय मार्ग का इस्तेमाल फिर से बंद करवा दिया है, क्योंकि बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल को धता बताते हुए हुती हमले स्पष्ट रूप से जारी हैं। यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है तो इसका शृंखलाबद्ध प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर होकर रहेगा। पहला और फौरी असर तेल कीमतों पर होगा। वर्तमान में, बेंट क्रूड ऑयल मानक वाले कच्चे तेल का प्रति बैरल मूल्य 70-80 डॉलर है, जो कि पिछले साल सितम्बर में रहे 90 डॉलर से कहीं कम है। सुस्त पड़ती वैश्विक अर्थव्यवस्था मांग के मद्देनज़र, तेल उत्पादक एवं निर्यातक संघ (ओपेक प्लस) द्वारा तेल उत्पादन में कटौती की घोषणा का वैश्विक मांग पर कुछ विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। चीन की आर्थिक पुनर्स्थापना उम्मीद के मुताबिक तेज़ नहीं रही, जिससे कि विश्व के सबसे बड़े इस तेल आयातक की मांग घटी। जहां एक ओर अमेरिका में मांग होने के चलते कच्चे तेल का भंडारण काफी उच्च है वहीं दूसरी तरफ यूरोज़ोन में आर्थिक मंदी का दौर जारी है। इस परिदृश्य के आलोक में, ओपेक प्लस द्वारा 2024 में तेल उत्पादन में दस लाख बैरल प्रतिदिन की अतिरिक्त कटौती वाले निर्णय का बाजार की मांग पर प्रभाव कुछ विशेष नहीं रहा। यह इस तथ्य के बावजूद है कि उत्पादन में पिछली और नई मिलाकर कुल कटौती 22 लाख बैरल प्रतिदिन की हो गयी है। लेकिन लाल सागर में बना संकट लंबा खिंचने पर स्थिति उलट हो जाएगी और तेल कीमतों में काफी उछाल आ सकता है। नतीजतन विकसित मुल्कों तक को काफी असर पड़ेगा, जो कि पहले से रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उच्च ऊर्जा कीमतों का दंश सह रहे हैं। लाल सागर क्षेत्र में संघर्ष लंबा खिंचने का दूसरा नकारात्मक परिणाम विश्वभर में मुद्रास्फीति दबाव में नई वृद्धि होगी। इससे न केवल तेल की कीमतें ऊपर उठेंगी वरन एशिया-यूरोप के बीच स्वेज़ नहर वाले रास्ते से गुरेज करने के कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला में विघ्न पड़ सकता है। हालांकि यूरोप और अमेरिका में पिछले साल भर बेकाबू रही मुद्रास्फीति कुछ थमने लगी थी, लेकिन नयी वृद्धि से मुल्कों के केंद्रीय बैंकों को पुनः ब्याज दर ऊंची करने को विवश होना पड़ेगा। जहां तक भारत की बात है, उद्योग एवं सरकारी प्रवक्ता ने पहले ही चावल निर्यात को खतरा होने की आशंका जताई है। लेकिन यदि लाल सागर संकट बना रहता है तो माल ढुलाई में इजाफे से अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के दामों में भी उछाल आएगा। स्वेज़ नहर वाले छोटे रास्ते की बजाय अफ्रीका की परिक्रमा करके होने वाली आवाजाही से अमेरिका एवं यूरोप की मंडियों में माल पहुंचाना महंगा हो जाएगा। 2023-24 के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष के तुलनात्मक कालखंड की तुलना में व्यापारिक निर्यात में पहले ही कमी होना महसूस हो चुका है, जो कि 455 बिलियन डॉलर के साथ रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर रहा। पिछले साल अप्रैल-नवम्बर के बीच, सकल 2022 के तुलनात्मक कालखंड में सकल निर्यात में 6.5 फीसदी की कमी दर्ज हुई। जहां बढ़ती माल ढुलाई से किन्हीं मुल्कों का निर्यात प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले महंगा हो जाएगा वहीं ऊंची होती मुद्रास्फीति के असर से मुख्य बाजार में मांग में कमी बनेगी। विशेषकर महत्वपूर्ण कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस का आयात महंगा होगा। मौजूदा अनुमान के मुताबिक 2024 में कच्चे तेल की कीमत 70-80 प्रति बैरल रह सकती है। लेकिन लाल सागर में ताबड़तोड़ हमले जारी रहने का प्रभाव संघर्ष क्षेत्र से काफी दूर तक पड़ने का पूरा अंदेशा है। इससे भारत के तेल आयात के खर्च में काफी इजाफा होगा, क्योंकि मांग का कुल 85 प्रतिशत से अधिक का हमें आयात करना पड़ता है। पिछले वित्तीय वर्ष में रियायती दरों पर मिले रूसी तेल की वजह से स्थिति कुछ हद तक काबू में रही। लिहाजा, लाल सागर बनी स्थिति का असर महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र की वृद्धि दर पर हो सकता है। इससे मौजूदा वित्तीय घाटे में आगे इजाफा होगा, वहीं आपूर्ति शृंखला में विघ्न से औद्योगिक उत्पादन भी प्रभावित होगा। हाल-फिलहाल भारत के लिए, बेशक नाजुक क्षेत्र में घरेलू जहाजरानी की रक्षार्थ भारतीय नौसेना की उपस्थिति में बढ़ोतरी की गई है, लेकिन स्थिति केवल देखो और इंतजार करो वाली है।

लेखिका आर्थिक मामलों की वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तीर्थ स्थलों के विकास से समृद्धि की राह

धार्मिक पर्यटन/ प्रमोद भार्गव

पांच सौ साल पहले जब अयोध्या में विदेशी आक्रांता राम मंदिर ध्वस्त कर रहे थे, तब तुलसी और सूरदास राम एवं कृष्ण की लीलाओं को ब्रज, अवधी और भोजपुरी भाषाओं में रच रहे थे। जिससे हमलावरों के हमलों से आहत जनमानस जागरूक हो और अपनी सनातन सांस्कृतिक अस्मिता तथा देश की संप्रभुता के लिए बलिदानी भाव-बोध से जूझ जाए। निहत्था भक्त इसी थाती के बूते इस्लाम की तलवार और फिरंगियों की तोपों से पूरे पांच सौ साल युद्धरत दिखाई देता रहा। इसी युद्धरत आम भारतीय ने हमें 15 अगस्त 1947 को आजादी दिलाई। तत्पश्चात भी वामपंथी वैचारिकी कुछ इस तरह गढ़ी जाती रही कि हम अपनी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत पर प्रश्न उठाने लग गए? यूपीए सरकार ने राम और रामसेतु के अस्तित्व को ही झुठलाने का काम कर दिया। अलबत्ता 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार के आरंभ से बदलाव की कुछ ऐसी हवा चली कि अयोध्या में भगवान राम के जन्म-स्थल पर तो रामलला के विग्रह की स्थापना 22 जनवरी को हो ही रही है, इस्लामिक देश संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में राम मंदिर जैसा ही भव्य मंदिर बनकर तैयार है। आगामी 14 फरवरी को इस मंदिर के पट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खोलेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वर्ष 2.39 करोड़, यानी प्रतिदिन करीब 70 हजार तीर्थयात्री अयोध्या नगरी पहुंचे। यात्रियों की यह आमद 2022 की तुलना में सौ गुना अधिक रही। अनुमान है कि भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या देश का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल हो जाएगा। यहां प्रतिवर्ष दस करोड़ पर्यटकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। एक पर्यटक औसतन 2700 रुपए खर्च करता है, अर्थात अयोध्या ही नहीं समूचे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को इस पर्यटन से बल मिलेगा। इसी तर्ज पर सोमनाथ, वाराणसी, उज्जैन और केदारनाथ के मंदिरों में गलियारों का विस्तार हो गया है। इन तीर्थों के आधुनिक एवं सुविधाजनक हो जाने से पर्यटन का आकार बढ़ गया है। विश्वस्तरीय होटल, सड़क, हवाई और रेल सुविधाएं हो जाने से यात्रियों की संख्या उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ी है। भारत में फिलहाल पर्यटन से जुड़ी जीडीपी का योगदान 5 से 6 प्रतिशत है, इसमें धार्मिक पर्यटन का हिस्सा अब तक आधा रहता है, जो अब निरंतर उछाल मार रहा है। उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी से प्रेरित होकर अन्य राज्य सरकारें भी धार्मिक स्थलों के संरचनात्मक विकास और ठहरने व आवागमन की सुविधाओं को बढ़ावा देने में लग गई हैं। असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर का 500 करोड़ रुपए की लागत से विकास हो रहा है। राजस्थान में गोविंद देव मंदिर, पुष्कर तीर्थ और बेनेश्वर धाम का विकास सौ-सौ करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। बिहार सरकार भारतमाला धार्मिक संपर्क योजना के अंतर्गत उच्चैठ भगवती मंदिर से महिषी तारास्थल को जोड़ने के लिए मधुबनी के उमगांव से सहरसा तक के मार्ग को विस्तृत कर रही है। महाराष्ट्र सरकार कोल्हापुर में 250 करोड़ की लागत से महालक्ष्मी मंदिर गलियारा बना रही है। इसी प्रकार प्रसिद्ध तीर्थस्थल नासिक से त्र्यंबकेश्वर मंदिर तक चौड़ा रास्ता बनाया जा रहा है। तेलंगाना में 1300 करोड़ की लागत से ययादि मंदिर का निर्माण किया गया है। भगवान नृसिंह के इस मंदिर के गर्भगृह में 125 किलो सोना लगा है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 314 करोड़ रुपए से एक सौ एकड़ में लेटे हनुमान मंदिर-लोक और सलकनपुर श्रीदेवी महालोक बनाया जा रहा है। सागर में रविदास मंदिर धाम, दतिया में पीतंबरा माईलोक, ओरछा में रामराजा लोक, चित्रकूट में रामपथगमन लोक, ग्वालियर में शनिलोक और बड़वानी में नाग-लोक बनाए जाना प्रस्तावित हैं। मथुरा में मथुरा-वृंदावन गलियारा और यमुना नदी फ्रंट का विकास 250 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। हजारों साल पहले समुद्र में डूब चुकी भगवान कृष्ण की द्वारका के दर्शन पनडुब्बी से कराए जाने की तैयारी हो रही है। गुजरात सरकार श्रीमद् भागवत कथा और महाभारत में उल्लेखित द्वारका दर्शन के लिए अरब सागर में यात्री पनडुब्बी चलाने का अनूठा कार्य करेगी। एमओयू के तहत इस पनडुब्बी का संचालन मझगांव डॉक करेगा। इस यात्रा का आरंभ इसी साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी या दीपावली तक हो सकती है। इस रोमांचक इतिहास और पुरातत्व के अवशेषों से जुड़ी रोमांचक यात्रा में प्राचीन द्वारका तक पहुंचने में दो-तीन घंटे लगेंगे। यात्रा का किराया अधिक होगा, लेकिन आम आदमी के लिए सरकार छूट देगी। 35 टन वजनी यह पनडुब्बी वातानुकूलित होगी। दो कतारों में 24 यात्रियों को बैठने की सुविधा होगी। इस पनडुब्बी में प्राकृतिक उजाले का प्रबंध होगा। संचार और वीडियो वार्तालाप की सुविधाएं होंगी। पनडुब्बी में बैठे हुए स्क्रीन पर भीतर की हलचल और जीव-जंतुओं को देख व रिकॉर्ड कर सकेंगे। इस देव भूमि गलियारे के तहत बेट द्वारका समुद्री टापू को दुनिया के मानचित्र पर लाने की दृष्टि से सरकार सिग्नेचर पुल का निर्माण कर रही है। कुल 900 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन यह पुल 2320 मीटर लंबा होगा। यह चार कतारों का केबल ब्रिज है। इस परियोजना में 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल नागेश्वर मंदिर के अलावा हनुमान और उनके पुत्र मकरध्वज मंदिर का विकास भी हो रहा है। अयोध्या में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही देश का धार्मिक पर्यटन एक लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था से ऊपर जाने की उम्मीद अर्थशास्त्री जता रहे हैं। यह पर्यटन व्यापार 10 से 15 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

विचार मंथन

चीन के फेर में मालदीव खतरे में?

(लेखक-डॉ. हिदायत अहमद खान)

यह तो सभी जान ही चुके हैं कि चीन जो भी करता है वह अपने फायदे के लिए ही करता है और नुक्सान को देखते हुए अपने फैसले से पलट भी जाता है। उसे किसी पड़ोसी की दोस्ती और भाईचारे से कोई लेना-देना नहीं है। यहां चीन को शुद्ध व्यापारी कहना भी सही नहीं होगा, क्योंकि व्यापारी भी अपने लाभ-हानि वाले फार्मूले के साथ सहभागी का भी ध्यान रखता ही रखता है। चीन ऐसा कतई नहीं करता है। ऐसे में विकसित व विकासशील देश उससे ताल्लुकात तो रखते हैं, लेकिन जब किसी मामले में फैसला लेने की बारी आती है तो वही देश बहुत ही सोच-समझ कर और दूरगामी परिणामों का विश्लेषण करते हुए ही फैसला लेते हैं। यह बात तो विकसित और विकासशील देशों की है, लेकिन पिछड़े और गरीब देशों को चीन आसानी से अपने जाल में फंसा लेता है और देखते ही देखते उन पर अपने फैसले लादने के अलावा पांव पसारने का उपक्रम भी करने लगता है। इसलिए छोटे और निर्भर देशों को हमेशा से ही सलाह दी जाती रही है कि वे अपना फायदा जरुर देखें लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता को दांव पर लगाकर किसी अन्य देश पर निर्भर होने की दिशा में आगे न बढ़ें। इस पूरे मामले में चीन को लेकर यहां जो बात कही गई है वह नई तो कतई नहीं है, लेकिन सच जरूर है। इसका उदाहरण यदि पेश करने को कहा जाए तो हम सीधे अपने ही देश भारत के साथ हिंदी-चीनी भाई-भाई वाला उदाहरण पेश कर सकते हैं। वह भी इसलिए क्योंकि दूध का जला छाछ को भी फूंक-फूंक पीता है। यही नहीं चीन ने व्यवसायिक कॉरिडोर के नाम पर श्रीलंका और पाकिस्तान को आर्थिक तौर पर बर्बाद करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है। दोनों ही देश चीन के मकड़जाल रुपी कर्जे में फंस चुके हैं।

ऐसे में चीन ने मालदीव को अपने शिकंजे में ले लिया है, जिसका असर साफ दिखाई देने लगा है। दरअसल, मालदीव हमारा भरोसेमंद पड़ोसी है, लेकिन जिस तरह से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप की यात्रा पर मालदीव के मंत्रियों ने आपत्तिजनक टिप्पणी की, उससे साफ जाहिर हो गया कि उनका व उनके नेतृत्व का रुझान भारत से कहीं ज्यादा चीन के प्रति हो गया है। यह अलग बात है कि मालदीव में इसे लेकर राजनीतिक भूचाल भी आ गया है। दोषी मंत्रियों को निलंबित किया गया और सरकार ने उनके इस कृत्य से खुद को अलग भी कर लिया, लेकिन इससे क्या क्योंकि जो किया गया वह अशोभनीय और दंडनीय तो था ही। ऐसे में भारत सरकार से बात कर मालदीव को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए थी, लेकिन इसकी जगह वो चीन की गोद में बैठने को आतुर दिखा है, जो अपने आप में अदम्य साहस दिखाने जैसा है। यह भी स्पष्ट है कि इससे भारत को कोई खास नुकसान होने वाला नहीं है।

हॉ यह जरुर होगा कि मालदीव कहीं का नहीं रह जाएगा। उसकी स्थिति आर्थिक व रक्षा रुपी समंदर में पतवार रुपी भारत को खो देने जैसी होगी। ऐसे में दुनियाभर के थपेड़ों को सहना मालदीव रुपी नाव के वश की बात नहीं होगी। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि मालदीव की अर्थव्यवस्था में भारत का बड़ा योगदान है। अनेक क्षेत्रों में तो वह पूरी तरह से भारत पर निर्भर है। इस समय चूंकि मालदीव में चीन समर्थित सरकार है अत- भारत के साथ उसके रिश्तों में तनाव आना लाजमी है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि अपने ही हाथों अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली जाए। मालदीव सरकार को समझना होगा कि मालदीव की इकोनॉमी पर्यटन पर ही टिकी है। मालदीव की जीडीपी का करीब 28फीसदी हिस्सा पर्यटन का है और फॉरेन एक्सचेंज में भी करीब 60 फीसदी योगदान टूरिज्म सेक्टर का होता है। इस हालत में यदि भारत ने मालदीव से मुंह फेर लिया तो उसकी आर्थिक स्थिति डगमगा जाएगी और भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। यही नहीं सुरक्षा की दृष्टि से भी उसे अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

अभी एक किले की तरह खड़ा मालदीव भारत रुपी मजबूत दीवार को भी खो देगा और उस पर नई मुसीबतें आयद हो जाएंगी। यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि तीन दशक पहले दोनों देशों के बीच हुए ट्रेड एग्रीमेंट के नतीजे में मालदीव और भारत के बीच पिछले वर्ष 500 मिलियन डॉलर से अधिक का कारोबार हुआ जो लगातार आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा मालदीव के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में भी भारत ने धन लगाया हुआ है। ऐसे तमाम पक्षों को सामने रखते हुए मालदीव को खुद चाहिए कि वह चीन के झांसे में आने की बजाय अपने सच्चे साथी भारत से संबंध सही रखे न कि नए-नए विवादों को जन्म देकर दूरियां बढ़ा ले।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एप्पल ने भारत में बनाया एक नया रिकॉर्ड, एक लाख करोड़ के फोन बनाए

- 65 हजार करोड़ के आईफोन का भारत से निर्यात दिसंबर और जनवरी के बीच हुआ

नई दिल्ली ।

एप्पल ने भारत में एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। दरअसल, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीएलआई योजना के तहत आईफोन बनाने के काम में तेजी आई है। जिसकी वजह से एप्पल ने भारत में एक साल के अंदर 1 लाख करोड़ के फोन बना डाले हैं। यह जानकारी मामले से जुड़े एक अधिकारी ने दी है। अधिकारियों का कहना है कि एप्पल ने साल 2023 में लगभग 1 लाख करोड़ रुपए के आईफोन के उत्पाद का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, जिसमें से 65 हजार करोड़ के आईफोन भारत से निर्यात दिसंबर और जनवरी के बीच हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इन आईफोन का 1 लाख करोड़ फेट ऑन बोर्ड (एफओबी) मूल्य है, जिस पर उपकरण किसी कारखाने से निकलते हैं। विभिन्न देशों के टैक्स और डीलर मार्जिन के आधार पर प्रोडक्शन की मार्केट वैल्यू 1.5 लाख करोड़ और 1.7 लाख करोड़ के बीच कहीं भी हो सकती है। एफओबी फैक्ट्री गेट पर किसी उत्पाद की कीमत है, जिसके बाद टैक्स और बाकी चीजें जुड़ जाती हैं। अधिकारियों ने कहा कि एप्पल द्वारा हासिल किए गए उत्पादन आंकड़े पीएलआई योजना के तहत लक्ष्य से अधिक हो गए हैं और कंपनी के अनुबंध निर्माताओं को परिव्यय के आधार पर अधिक अवशिष्ट प्रोत्साहन प्राप्त करने की अनुमति मिल सकती है। उत्पादन से जुड़ा प्रोत्साहन किसी उपकरण के एफओबी मूल्य पर लागू होता है। एक अधिकारी ने कहा कि एप्पल ने भारत को आईफोन विनिर्माण के लिए दूसरा घर बनाने का वादा पूरा किया है। कंपनी अब देश में अपनी आपूर्ति श्रृंखला बढ़ा रही है। वैल्यू के हिसाब से आईफोन निर्माता संभवतः भारत में सबसे बड़ा फोन निर्माता है। कंपनी ने भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 के 2 फीसदी से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2023 में 6 फीसदी कर ली है, जबकि सैमसंग की हिस्सेदारी पिछले पांच वर्षों में 26 फीसदी से घटकर 20 फीसदी हो गई है। इसी अवधि में एप्पल का भारत कारोबार 13,097 करोड़ रुपए से बढ़कर 49,322 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि सैमसंग का मोबाइल राजस्व 37,349 करोड़ रुपए से बढ़कर 70,292 करोड़ रुपए हो गया है।

एलएंडटी को हरियाणा में एम्स भवन बनाने मिला ठेका

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग एचं निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो को हरियाणा के रेवाड़ी में नए एम्स भवन के निर्माण के लिए सरकार से एक परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक मिनी रत्न निजी क्षेत्र के उद्यम एचआईटीईएस से लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) कंस्ट्रक्शन के भवन तथा कारखाना व्यवसाय को यह ठेका मिला है। एलएंडटी ने कहा कि कार्य के दायरे में नागरिक संरचना और भूनिर्माण सहित बाहरी विकास कार्य शामिल हैं। नए एम्स में 720 बिस्तरों वाला शिक्षण अस्पताल, 30 बिस्तरों वाला आयुष अस्पताल, 100 छात्रों का वार्षिक प्रवेश मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, 500 सीट वाला सभागार, छात्रावास तथा आवासीय सुविधाएं शामिल होंगी। इसे एक समयसीमा के भीतर तैयार किया जाएगा। कंपनी ने अनुबंधों का मूल्य नहीं बताया लेकिन कहा कि यह ठेका महत्वपूर्ण श्रेणी का है जो 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये के दायरे में आता है।

मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करेंगे भारत और ओमान

नई दिल्ली । भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए अगले दौर की बातचीत 16 जनवरी से शुरू होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) नामक समझौते के लिए दोनों पक्षों द्वारा अधिकतर बातों पर बातचीत संपन्न हो चुकी है। अधिकारी ने कहा कि बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। दो दौर की व्यक्तिगत बातचीत और कई अंतर-सत्रीय बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। सीईपीए के तहत शामिल सभी अध्यायों पर अच्छी प्रगति हुई है।

जेनसोल इंजीनियरिंग गुजरात में करेगी 2,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । जेनसोल इंजीनियरिंग गुजरात में ईवी विनिर्माण संयंत्र का निर्माण करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन 2024 के लिए निवेश प्रोत्साहन गतिविधि के हिस्से के रूप में गुजरात सरकार के साथ इस आशय के एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना से करीब 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। जेनसोल समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2,000 करोड़ रुपये का निवेश राज्य की निरंतर वृद्धि और हरित विनिर्माण के प्रति प्रतिबद्धता में हमारे विश्वास का प्रमाण है। हम पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी की उम्मीद करते हैं जो गुजरात को ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) क्रांति में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के 10वें संस्करण का आयोजन गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 10 से 12 जनवरी को किया जाएगा।

प्रीमियर एनर्जीज को एनटीपीसी से मिला ठेका

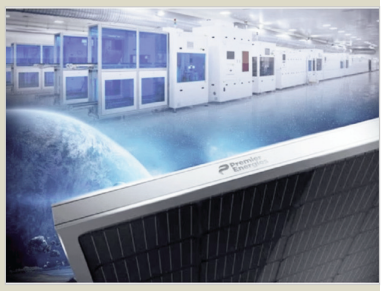

नई दिल्ली । प्रीमियर एनर्जीज को नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) से 608 मेगावाट बाइफेशियल सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 1,700 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार ठेका राजस्थान में एनटीपीसी की नोख सौर पीवी परियोजना से जुड़ा है। आपूर्ति नौ महीने में पूर्ण किए जाने की उम्मीद है। प्रीमियर एनर्जीज के अनुसार इसकी वार्षिक मॉड्यूल क्षमता 4 गीगावॉट है और यह विश्व स्तरीय स्वदेशी सौर सेल तथा मॉड्यूल विकसित करने के लिए समर्पित है। यह मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

अलास्का एयरलाइंस की घटना के बाद तेजी से गिरे बोइंग के शेयर

लंदन । अलास्का एयरलाइंस के बोइंग 737 मैक्स-9 विमान की खिड़की उड़ान के दौरान उखड़ जाने की घटना के बाद बोइंग और उसके प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक के शेयरों में तेजी से गिरावट देखी गई क्योंकि निवेशक कारोबार को संभावित नुकसान को लेकर चिंतित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अलास्का एयरलाइंस की उड़ान, जिसने पोर्टलैंड, ओरेगॉन से ओंटारियो, कैलिफ़ोर्निया के लिए उड़ान भरी थी, को शुक्रवार को विमान की खिड़की अलग हो जाने के बाद आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। घटना का कारण पता नहीं चल सका है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने सभी बोइंग 737 मैक्स-9 विमानों को तब तक खड़ा करने का आदेश दिया जब तक कि उनका निरीक्षण पूरा नहीं हो जाता। रिपोर्ट के अनुसार यह आदेश दुनिया भर के 171 विमानों पर लागू होता है और तुर्की और पनामा में भी एयरलाइंस ने उड़ानें रोक दी हैं। बोइंग के शेयरों में 8.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई जबकि एयरोस्पेस आपूर्तिकर्ता स्पिरिट एयरोसिस्टम्स के शेयरों में लगभग 11.5 प्रतिशत की गिरावट आई। यह घटना बोइंग के लिए समस्याओं की एक लंबी श्रृंखला में नवीनतम है। दो दुर्घटनाओं में 346 लोगों की मौत के उपरांत मार्च 2019 में 737 मैक्स की ग्राउंडिंग के बाद से बोइंग का वित्तीय घाटा बढ़ गया है। कंपनी ने 2019 से 2022 तक लगातार चार वर्षों तक वार्षिक घाटा दर्ज किया और पिछले साल के पहले नौ महीनों में 2.2 अरब डॉलर का घाटा दर्ज किया। 2023 के लिए इसके पूरे वर्ष के परिणाम जनवरी के ओ खिरी में आने वाले हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली से बाजार तेजी के साथ खुला पर कारोबार समाप्त होने से पहले हुई मुनाफावसूली से इसकी बढ़त रुक गयी। जानकारों के अनुसार निवेशकों ने कंपनियों के तिमाही परिणाम और इस सप्ताह मुद्रास्फीति तथा अन्य अहम आर्थिक आंकड़े आने से पहले ही मुनाफावसूली पर बल दिया जिससे बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31 अंक करीब .04 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 71,386.21 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 31.85 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी बढ़कर 21,544.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 211.45 अंक तक ऊपर आया। सेंसेक्स की कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, सन फार्मा और टाटा स्टील प्रमुख से लाभ में रहीं।

वहीं दूसरी ओर नेस्ले, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर नीचे आये हैं। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे थे। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका में तकनीकी कंपनियों के शेयरों में तेजी और उभरती प्रौद्योगिकी की मांग से देश के आईटी क्षेत्र में सकारात्मक रुख रहा।' उन्होंने कहा, ''बाजार में यह उम्मीद है कि अमेरिका में मुद्रास्फीति कम होने से निकट भविष्य में नीतिगत दर में कटौती होगी। इससे कुल मिलाकर धारणा मजबूत हुई है हालांकि एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख के साथ शेयरों के उच्च मूल्यांकन से मुनाफावसूली को बल मिला।'' शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 16.03 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे हैं। इससे पहले वैश्विक बाजार से सकात्मक संकेतों के बीच ही आज सुबह बाजार की शानदार शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में खुले। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से अधिक बढ़कर 71,771 पर खुला और 71,850 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। एनएसई निफ्टी 50 लगभग 150 अंक ऊपर 21,650 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स 30 में आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली

होंडा ने गुजरात संयंत्र की क्षमता बढ़ाई

अहमदाबाद । होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने हाल ही में गुजरात के विठलपुर में अपने सबसे बड़े स्कूटर संयंत्र में तीसरी एसेंबली लाइन का उदघाटन किया। इस लाइन की सालाना क्षमता 650,000 वाहनों की होगी। इससे संयंत्र की क्षमता बढ़कर सालाना 19.7 लाख वाहन हो जाएगी। इस क्षमता वृद्धि से पहले संयंत्र की क्षमता हर साल 13 लाख स्कूटर की थी। इस संयंत्र में ऐक्टिवा, डियो, ऐक्टिवा 125, डियो 125 जैसे स्कूटर मॉडलों का निर्माण किया जाता है। एचएमएसआई के गुजरात संयंत्र थाईलैंड, अमेरिका, यूरोप, जापान आदि जैसे देशों के लिए मांग पूरी करने के लिए वैश्विक तौर पर इंजनों (250सीसी और इससे ऊपर की दोपहिया श्रेणी के लिए) के लिए आधार के तौर पर काम करता है। कंपनी ने कहा है कि भारत दोपहिया निर्माण क्षमता के लिहाज से वैश्विक तौर पर होंडा के लिए बेहद महत्वपूर्ण उत्पादन आधार में से एक है। एचएमएसआई के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी सुत्सुमू ओतानी ने कहा कि ज्यादा कुशलता से ग्राहकों की सेवा करने के लिए इस क्षमता विस्तार योजना से एचएमएसआई की कुल सालाना उत्पादन क्षमता बढ़ जाएगी। एचएमएसआई ने निर्माण क्षेत्र में महिला कर्मियों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

इंडिगो ने चुनिंदा सीटों के लिए किराया बढ़ाया, देना होगा 2000 रुपए एक्स्ट्रा

नई दिल्ली ।

सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने अपने ग्राहकों को चुनिंदा सीटों के लिए एक्स्ट्रा चार्ज देने के लिए कहा है। इससे ग्राहकों को बड़ा झटका लगा है। कंपनी ने अपनी कुछ चुनिंदा सीटों पर 2000 रुपये तक किराया बढ़ाने का फैसला किया है। हालांकि इससे पहले कंपनी ने 4 जनवरी को ही अपने किराये में कटौती का ऐलान किया था। यह फैसला लागत हवाई ईंधन शुल्क (एटीएफ) में कमी के बाद लिया गया था, मगर अब कंपनी ने एक बार फिर कुछ सीटों के किराये में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। अब यात्रियों को कुछ खास सीटों में बैठने के लिए पहले से अधिक पैसे खर्च करने होंगे। इंडिगो ने जानकारी दी है कि पैसेंजर्स को आगे की सीट जहां लेगरूम के साथ एक्सएल सीट होती है वहां के लिए ज्यादा किराया देना होगा। एयरलाइंस के ए320 या ए320 निओ विमान में 180 या 186 सीटों में से 18 ऐसी सीटें है जो आगे की एक्सएल सीट होती है। अब इन सीटों (विंडो सीट) के लिए पैसेंजर को 2000 रुपए तक अधिकतम अतिरिक्त किराया देना होगा। वहीं आगे की मिडिल सीट के लिए यात्रियों को अब 1500 रुपए तक अतिरिक्त किराया देना पड़ेगा। पहले एयरलाइंस कंपनी इन सीटों के लिए 150 से लेकर 1500 रुपए तक अतिरिक्त चार्ज वसूलती थी।

बता दें कि देश की बड़ी निजी एयरलाइंस इंडिगो ने हवाई ईंधन के दामों में कटौती के बाद फ्यूल चार्ज लगाने के फैसले को 4 जनवरी को वापस ले लिया था। लगातार कच्चे तेल की कीमतों में कटौती के बाद से सरकारी तेल कंपनियों ने हवाई ईंधन के दामों में कटौती की है, जिसका फायदा इंडिगो अब यात्रियों को दे रही है। कंपनी के इस ऐलान के बाद से घरेलू से लेकर इंटरनेशनल मार्केट में इंडिगो के किराये में 300 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक की कमी आई है। ले किन अब कंपनी ने एक्स्ट्रा चार्ज लेकर ग्राहकों को सकते में डाल दिया है।

विमानन मंत्रालय ने फ्लाइट ड्यूटी की मियाद के नियम बदले!

- पायलटों को थकने पर मिलेगा ज्यादा आराम

नई दिल्ली ।

पिछले काफी समय तक उड़ानों पर रहने के कारण विमान चालक दल (फ्लाइट क्रू) की थकान का मामला बहुत समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। इस समस्या से निजात पाने के लिए केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने फ्लाइट ड्यूटी की मियाद के नियम में कुछ बदलाव कर दिए हैं। इनमें पायलट को अधिक आराम दिए जाने का इंतजाम किया गया है और रात की ड्यूटी से जुड़े नियम भी बदल दिए हैं। एयरलाइंस को पायलट थकान रिपोर्ट पेश करने का निर्देश भी इन नियमों में शामिल है। संशोधित नियम इसी साल 1 जून से लागू होंगे। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सभी विमानन कंपनियों के लिए इन नियमों का पालन अनिवार्य कर दिया है। विमानन सूत्रों ने कहा कि फ्लाइट ड्यूटी की मियाद से जुड़े नियम बदलने पर विमानों की आवाजाही का समय प्रभावित हो सकता है। साथ ही उड़ान भरने में पहले से ज्यादा खर्च जैसी दिक्कतें भी सामने आ सकती हैं। मगर हालिया अधिसूचना को पूरी तरह समझने से पहले इस पर प्रतिक्रिया देना जल्दबाजी होगी। इंडिगो, एयर इंडिया, विस्तारा, आकाश एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइस जेट जैसी छह बड़ी एयरलाइंस में किसी ने भी इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। नए नियमों में क्रू को हर हफ्ते 48 घंटे आराम के लिए देने की बात कही गई है। पहले हफ्ते में केवल 36 घंटे ही आराम मिलता था। अब फ्लाइट क्रू को आराम करने के लिए ज्यादा वक्त मिलेगा। मौजूदा नियमों में आधी रात से तड़के पांच बजे तक समय को पूरी रात कहा जाता था मगर नए नियमों में आधी रात से सुबह छह बजे तक का समय रात माना जाएगा। यह

समय रात 2 बजे से सुबह छह बजे तक की ड्यूटी से मेल खाता है। नए नियम के अनुसार प्रत्येक एयरलाइन को हर तीन महीने में क्रू की थकान रिपोर्ट डीजीसीए के पास जमा करनी होगी। फ्लाइट क्रू की थकान रिपोर्ट तैयार करते समय एयरलाइंस को गोपनीयता नीति का पालन भी करना होगा। डीजीसीए ने कहा कि रात के समय केवल दो उड़ानों को उतरने की इजाजत दी जा रही है। अभी तक एक रात में छह उड़ानें उतर सकती थीं। रात की उड़ानों के दौरान विमान के उड़ने का अधिकतम समय 8 घंटे और फ्लाइट ड्यूटी का अधिकतम 10 घंटे कर दिया गया है।

म्युचुअल फंड इंडस्ट्री की कुल संपत्ति पहली बार 50 लाख करोड़ के पार

वर्ष 2023 में एमयूएम में रिकॉर्ड इजाफे के पीछे शेयर बाजार में जोरदार तेजी प्रमुख वजह रही

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड (एमएफ) उद्योग ने पिछले वर्ष 2023 में अपनी कुल परिसंपत्ति में रिकॉर्ड 10 लाख करोड़ रुपये जोड़े। इसकी वजह से म्युचुअल फंड के पास मौजूद कुल संपत्ति (एयूएम) दिसंबर में पहली बार 50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गईं। म्युचुअल फंड के एयूएम में 20 फीसदी इजाफा शेयर बाजार में तेजी से आया। साथ ही 2023 में सक्रिय इक्विटी योजनाओं में 1.62 लाख करोड़ रुपये की आवक भी हुई, जितनी अभी तक किसी भी वित्तीय वर्ष में नहीं हुई थी।म्युचुअल फंड उद्योग के संगठन एम्फी के आंकड़ों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि एयूएम को 30 लाख करोड़ रुपये से 40 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने में 24 महीने लग गए थे, लेकिन अगले 10 लाख करोड़ रुपये केवल 13 महीने में जुड़ गए। एम्फी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि म्युचुअल फंड उद्योग की एयूएम को शून्य से 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने में पूरे 50 साल लग गए थे मगर यह 40 लाख करोड़ रुपये से 50 लाख करोड़ रुपये तक साल भर से कुछ ज्यादा अरसे में ही हो गया। 2023 में एमयूएम में रिकॉर्ड इजाफे के पीछे शेयर बाजार की ऊंची उछाल का हाथ रहा है। पिछले साल सेंसेक्स में 18.7 फीसदी और निफ्टी में 20 फीसदी तेजी दर्ज की गई। इस दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में दोगुना इजाफा हुआ, जिससे इनमें निवेश करने वाले एमएफ में निवेशकों का रुझान बढ़ा है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वर्ष 2023 में सबसे ज्यादा इक्विटी निवेश जुटाने वाली शीर्ष 5 श्रेणियों के हिस्से 1.62 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश में से तकरीबन 85 फीसदी आया है। इनमें स्मॉलकैप 25 फीसदी, थीम आधारित श्रेणी 19 फीसदी, मिडकैप 14 फीसदी, मल्टीकैप 12 फीसदी और लार्ज तथा मिडकैप 12 फीसदी प्रमुख हैं। इसके विपरीत लार्ज कैप से 3,000 करोड़ रुपये और फोकस्ड स्कीम से 2,700 करोड़ रुपये बाहर गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अप्रैल में डेट फंडों पर कर नहीं बढ़ाया जाता तो एयूएम में और भी इजाफा हो जाता। 2023 की शुरुआत में ज्यादा यील्ड के कारण डेट फंडों में ज्यादा निवेश आने की उम्मीद थी। इस दौरान सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) से जुड़ी एयूएम भी बीते 6 साल में 39 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है।

तमिलनाडु में कई कंपनियां करेंगी हजारों करोड़ का निवेश

- तमिलनाडु में निवेश से रोजगारमिलने की संभावना बढ़ी

चेन्नई ।

ग्लोबल इन्वैस्टर्स मीट 2024 के दौरान चेन्नई के तमिलनाडु में कई कंपनियों ने हजारों करोड़ का निवेश करने की घोषणा की। इससे लोगों को रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। 7 जनवरी को हुई इस मीट में टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलैक्ट्रॉनिक्स तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौते के तहत राज्य में 12,082 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस मीट का उदघाटन 7 जनवरी को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा किया गया। तमिलनाडु सरकार ने एग्रीमैंट पर हस्ताक्षर के दौरान कहा कि टाटा इलैक्ट्रॉनिक्स मोबाइल फोन असैंबली ऑप्रेशन के लिए 12,080 करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। टाटा इलैक्ट्रॉनिक के इस निवेश से राज्य में 40,500 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। इन्वैस्टर्स मीट के दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि राज्य में निवेश का एक महत्वपूर्ण प्रवाह देखा जा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने जे.एस.डब्ल्यू. रिन्यूएबल, टी.वी.एस. ग्रुप और मित्सुबिशी इलैक्ट्रिक के साथ क्रमशः 12,000 करोड़, 5,000 करोड़ और 6,180 करोड़ रुपए के प्रमुख निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा टाटा ग्रुप की एक और कंपनी टाटा पॉवर तमिलनाडु में अगले 5 से 7 वर्षों में 10 गीगावॉट वाली सौर और पवन ऊर्जा इकाई लगाएगी और इस पर 70,000 करोड़ रुपए निवेश करेगी। किसी भी राज्य में यह टाटा पावर का अब तक का सबसे बड़ा एकल निवेश हो सकता है। यह निवेश 4.3 गीगावॉट सोलर सैल और मॉड्यूल विनिर्माण केंद्र के अतिरिक्त होगा जो कंपनी तिरुवेनवेली में लगा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल के ताइवान आपूर्तिकर्त्ता पैगाट्रॉन द्वारा भी उत्पादन बढ़ाने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की उम्मीद है। इसके अलावा हुंडई मोटर्स ने 6,180 करोड़ रुपए का निवेश करने की इच्छा जताई है और इसमें से निवेश का एक हिस्सा इलैक्ट्रिक वाहन (ई.वी.) बैटरी और कार विनिर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा। इससे पहले हुंडई ने 2023 से 2032 के दौरान 10 साल में इलैक्ट्रिक वाहन विनिर्माण, चार्जिंग बुनियादी ढांचे और कौशल विकास में अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए 20,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की घोषणा की थी।

आरबीआई 12 जनवरी को 33 हजार करोड़ के सरकारी बांड नीलाम करेगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने 12 जनवरी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से होने वाली नीलामी में कुल 33,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड की तीन श्रेणियों की बिक्री की घोषणा की। इनमें समान मूल्य पद्धति का उपयोग करके मूल्य आधारित नीलामी के जरिए 7,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए 7.37 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूति 2028, एक मूल्य के माध्यम से 16,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए 7.18 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूति 2033 शामिल है। समान मूल्य पद्धति का उपयोग करके आधारित नीलामी और एकाधिक मूल्य पद्धति का उपयोग करके मूल्य आधारित नीलामी के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए 7.30 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूति 2053 है। सरकार के पास ऊपर उल्लिखित प्रत्येक सुरक्षा के विरुद्ध 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता बनाए रखने का विकल्प होगा। नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को आयोजित की जाएगी। सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में गैर-प्रतिस्पर्धी बोली सुविधा योजना के अनुसार, प्रतिभूतियों की बिक्री की अधिसूचित राशि का 5 प्रतिशत तक पात्र व्यक्तियों और संस्थानों को आवंटित किया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार नीलामी के लिए प्रतिस्पर्धी और गैर-प्रतिस्पर्धी दोनों बोलियां 12 जनवरी, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) प्रणाली पर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में प्रस्तुत की जानी चाहिए। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह

10.30 बजे से सुबह 10.30 बजे के बीच प्रस्तुत की जानी चाहिए। सुबह 11 बजे और प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10.30 से 11.30 बजे के बीच प्रस्तुत की जानी चाहिए। नीलामी का परिणाम 12 जनवरी को घोषित किया जाएगा और सफल बोलीदाताओं को भुगतान 15 जनवरी को करना होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफगानिस्तान के खिलाफ विकेटीपर के तौर पर सैमसन की दावेदारी मजबूत

मुम्बई । भारत और अफगानिस्तान के बीच गुरुवार को शुरु हो रही टी20 सीरीज से एक बार फिर कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा वापसी कर रहे हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी जगह मिली है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज अहम मानी जा रही है क्योंकि विश्व कप से पहले यह टीम इंडिया की अंतिम टी20 सीरीज होगी। इस सीरीज से रोहित कप्तान के तौर पर 14 महीने बाद टीम में वापसी करेंगे। इस सीरीज में विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन को जगह नहीं मिली है। वहीं संजू सैमसन ओर जितेश शर्मा को विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है। टी20 सीरीज में केवल 3 ही मुकाबले खेले जाएंगे। इस सीरीज में किसे विकेटकीपर की जिम्मेदारी मिलेगी ये सवाल उठ रहा है। कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा अनुभवी संजू सैमसन के साथ उतरना चाहेंगे या हाल में डेब्यू करने वाले जितेश शर्मा को अवसर दिया जाएगा। ये एक बड़ा सवाल है। अंतिम ग्यारह घोषित होने पर ही ये स्पष्ट होगा। जितेश 150 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हैं जबकि संजू का स्ट्राइक रेट 133 का है। अफगानिस्तान के खिलाफ अगर विकेटकीपर के तौर पर दावेदारी की बात करें तो अनुभवी सैमसन का पलड़ा भारी है। कोच और कप्तान मध्य क्रम में एक मजबूत बल्लेबाज को रखना चाहेंगे। वहीं जितेश की बात करें तो वह फिनिशर की भूमिका निभाते हैं।

केपटाउन की पिच को आईसीसी ने दी खराब रेटिंग

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच हाल ही में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट के लिए मंगलवार को पिच को खराब रेटिंग दी, जो अब तक का सबसे कम समय में पूरा होने वाला टेस्ट है। आईसीसी पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत यह निर्णय दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच टेस्ट मैच के केवल 642 गेंदों तक चलने के बाद आया है, जो कुल मिलाकर 107 ओवर का था। आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने मैच अधिकारियों की चिंता व्यक्त करते हुए अपनी रिपोर्ट सौंपी। आईसीसी ने कहा कि मैच खत्म होने के बाद क्रिस ब्रॉड ने दक्षिण अफ्रीका और भारत के कप्तानों क्रमशः डीन एल्गर और रोहित शर्मा से भी सलाह ली। उन्होंने बताया कि दोनों कप्तानों का मानना है कि पिच में कमी थी। आईसीसी मैच रेफरी ने कहा, न्यूलैंड्स की पिच पर बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल था। पूरे मैच के दौरान गेंद तेजी से और कभी-कभी खतरनाक तरीके से उछलती रही, जिससे शॉट खेलना मुश्किल हो गया। जांच के बाद इस वेन्यू को एक डिमेरिट अंक दिया गया । रिपोर्ट क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को भेज दी गई है, जिसके पास इस कार्रवाई के खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिन का समय है। आईसीसी पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रक्रिया में यदि किसी पिच या आउटफील्ड को खराब स्तर का दर्जा दिया जाता है, तो उस स्थान को कुछ डिमेरिट अंक दिए जाते हैं। एक डिमेरिट अंक उन स्थानों को दिया जाता है जिनकी पिच और आउटफील्ड को मैच रेफरी ने अच्छा नहीं माना है। जब कोई पिच छह डिमेरिट अंक तक पहुंच जाती है, तो उसे 12 महीने के लिए किसी भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से निलंबित कर दिया जाता है जबकि, 12 डिमेरिट अंक के मामले में जुर्माना 24 महीने का है। मैच में मोहम्मद सिराज के करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/15 स्पैल के कारण दक्षिण अफ्रीका अपनी पहली पारी में 55 रन पर आउट हो गया। भारत अपने आखिरी छह विकेट शून्य रन पर गंवाने के बावजूद 153 रन बनाकर 98 रन की बढ़त हासिल करने में सफल रहा। एडेन मार्करम का शतक दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में भारत के लिए ज्यादा मुश्किलें पैदा नहीं कर पाया और 79 रनों का लक्ष्य रोहित एंड कंपनी ने दूसरे दिन सात विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक सभी मैच जीती है भारतीय टीम

नई दिल्ली ।

भारत और अफगानिस्तान के बीच गुरुवार से तीन मैचों की टी20 सीरीज शुरु हो रही है। इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनों ही टीमों के बीच यह पहली टी20 सीरीज होगी। दोनो ही टीमें के बीच अब तक टी20 मुकाबले आईसीसी टूर्नामेंट ओर एशिया कप में ही हुए हैं। जिसमें भारतीय टीम विजेता रही थी। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक टी20 में कुल 5 मुकाबले हुए हैं। इनमें से भारतीय टीम ने 4 मुकाबले जीते हैं जबकि अफगानिस्तान एक भी मैच नहीं जीत सका है। एक मैच का परिणाम नहीं निकला। सबसे पहली बार इन दोनो ही टीमों का मुकाबला साल 2010 के टी20 विश्व कप में हुआ था। तब भारतीय टीम 7 विकेट से जीती थी। वहीं अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय की बात करें तो साल 2022 के टी20 विश्व कप में दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं। उस मैच में विराट कोहली के शतक से भारतीय टीम ने आसानी से जीत हासिल की थी। दोनों टीमों के बीच पहला टी20 11 जनवरी को जबकि दूसरा 14 जनवरी और तीसरा 17 जनवरी को होगा।

भारत की टी20 टीम इस प्रकार हैः

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

अवसरों का लाभ उठाये खिलाड़ी : अजय जयराम

नागपुर । पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी अजय जयराम ने कहा है कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में खिलाड़ियों को अवसरों का लाभ उठाना चाहिये। एक समारोह में अजय जयराम ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को उन्हें मिले अवसर का पूरा उपयोग करने के साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिये कि शीर्ष पर बने रहने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत की जरुरत होती है। इस समारोह में सीनियर ग्रुप से अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज ओजस देवतले , अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर जितेश शर्मा और अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी रितिका ठक्कर जबकि जूनियर ग्रुप में युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर संयोग भागवत और बास्केटबॉल खिलाड़ी समीक्षा चांडक को सम्मानित किया गया। वहीं विश्व चैम्पियन और हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में कंपाउंड तीरंदाजी में स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाने वाले सिटी के युवा तीरंदाज ओजस देवतले का पुरस्कार उनकी मां अर्चना और पिता प्रवीण देवतले ने स्वीकार किया। इसके अलावा इस अवसर पर आईपीएल में जबरदस्त प्रदर्शन करने वाले विदर्भ सीनियर पुरुष टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश ने कहा कि अगर आप कड़ी मेहनत करने के इच्छुक हैं और लगन के साथ इसे कर रहे है, तब वास्तव में आपको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं पाएगा।

शमी सहित 26 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड मिला

नई दिल्ली ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में हुए एक समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023 प्रदान किए। इससें टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सहित 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार मिला। शमी के अलावा कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत,पैरा-तीरंदाज शीतल देवी को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं 5 कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किये गये।

इसी के साथ ही शमी देश के 58वें क्रिकेटर बन गए, जिनको अर्जुन पुरस्कार मिला है। शमी ने पिछले कुछ सालों में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 2023 में हुए एकदिवसीय विश्व कप में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। शमी देश के 58वें क्रिकेटर हैं, जिन्हें अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। शमी से पहले महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा, शिखर धवन सहित कई खिलाड़ियों को ये सम्मान मिला है। 2021 में अंतिम बार शिखर धवन को ये सम्मान मिला था। वहीं साल 2022 में कोई भी क्रिकेटर इस अवॉर्ड को हासिल नहीं कर पाया था पर अब

शमी को ये सम्मान मिला है।

शमी इस पुरस्कार को पाने से बेहद खुश है। जब शमी से अर्जुन अवॉर्ड को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा, ये पुरस्कार मेरे लिए एक सपना है, जिंदगी बीत जाती है और लोग ये अवॉर्ड नहीं जीत पाते हैं। मुझे खुशी है कि मुझे ये पुरस्कार मिल रहा है। मेरे लिए यह पुरस्कार पाना एक सपने जैसा है, क्योंकि मैंने अपने पूरे जीवन में कई लोगों को यह पुरस्कार प्राप्त करते देखा है।

संक्षिप्त समाचार

डु प्लेसिस ने याद किये धोनी की कप्तानी में सीखे सबक

जाहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर फाफ डु प्लेसिस ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा की है। डु प्लेसिस ने इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ अपने कार्यकाल के दौरान एक क्रिकेटर के रूप में धोनी से सीखे गए सबक को याद करते हुए कहा कि वह बहुत भाग्यशाली थे कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही धोनी की कप्तानी में खेलने का अवसर मिला। एसए20 के दूसरे सत्र से पहले डु प्लेसिस ने कहा कि उन्होंने सीएसके में पहला सत्र धोनी और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग को देखते हुए बिताया। इस दौरान उन्हें इन दिग्गजों से सवाल पूछने और सीखने का भी अवसर मिला था। गौरतलब है कि फाफ डु प्लेसिस साल 2011 से 2021 तक सीएसके के साथ रहे। इस दौरान उन्होंने सीएसके की जीत में कई बार अहम भूमिका निभाई। साल 2021 आईपीएल फाइनल में उन्होंने केकेआर के खिलाफ 59 गेंदों पर 86 रनों की मैच विजेता पारी खेली थी। डु प्लेसिस ने टीम में हमेशा ही अपनी अलग पहचान बनाई। 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान के रूप में बने डु प्लेसिस ने सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी की है। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीका की टी 20 लीग में सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी की ओर से खेलते हैं। नए साल में नए सत्र के लिए तैयार डु प्लेसिस ने कहा कि सबसे पहले, एक युवा व्यक्ति के रूप में उस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनना सुखद अनुभव था। शायद मेरी सबसे बड़ी सीख मेरी शुरुआती यात्रा में फ्लेमिंग और धोनी से मिली थी। उनसे सीखना बहुत अच्छा था।

पाक ही नहीं सभी टीमें करती हैं गेंद से छेड़छाड़ : प्रवीण कुमार

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने कहा है कि आम तौर पर जब गेंद से छेड़छाड़ की बात आती है तो पाकिस्तानी गेंदबाजों पर आरोप लगते है पर सच बात ये है कि रिवर्स स्विंग के लिए सभी टीमें ऐसा करती हैं। असल में प्रवीण से पाकिस्तानी गेंदबाजों की स्विंग कला पर टीप्पणी करने को कहा गया था, तभी उन्होंने से बात कही। उन्होंने कहा कि हर कोई थोड़ा-थोड़ा करता है पर पाक गेंदबाज ऐसा कुछ ज्यादा ही करते हैं। वे इसे एक तरफ से खरोंच देंगे देते हैं पर गेंदबाज को यह भी पता होना चाहिए कि उस कौशल का उपयोग कैसे किया जाए। अगर मैं गेंद को खरोंचकर किसी को देता हूं, तो उसे रिवर्स-स्विंग गेंदबाजी करनी आनी चाहिये। गौरतलब है कि पाक की ओर से सबसे पहले गेंद को रिवर्स स्विंग कराने के लिए सरफराज नवाज जाने जाते थे। इसके बाद उन्होंने ये कला पूर्व कप्तान इमरान खान को सिखाई। इमरान ने इसे वसीम अकरम और वकार यूनिस को दिया। इसके बाद मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद आमिर भी ये कला सीख गये। गेंद से छेड़छाड़ पर क्रिकेट में रोक है। इसी कारण साल 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के तीन खिलाड़ियों पर गेंद से छेड़छाड़ के मामले में प्रतिबंध भी लगाया गया था।

फिटनेस के लिए जिम में जमकर अभ्यास कर रहे पंड्या

आईपीएल 2024 से करेंगे वापसी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब आईपीएल 2024 में ही नजर आयेंगे। पंड्या अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और ऐसे में आईपीएल के लिए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। टखने की चोट के कारण वह गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बीच में ही बाहर हो गये थे। इसी कारण पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में भी शामिल नहीं किये गये हैं। उनके आईपीएल से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। आईपीएल नीलामी में रोहित शर्मा की जगह पर मुंबई इंडियंस के नए कप्तान बनाये गये पंड्या ने सोशल मीडिया पर अपनी रिकवरी यात्रा साझा की है। पंड्या ने सोशल मीडिया में जिम में पसीना बहाने का एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा, केवल एक ही दिशा में जाना है आगे। गौरतलब हे कि पंड्या और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हैं। वहीं चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को अफगानिस्तान सीरीज के लिए एक बार फिर टी20 टीम में जगह दी है। है। रोहित को कप्तान बनाया गया है। ये दोनों ही

खिलाड़ी 14 महीने के बाद सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं। दोनों पर इसलिए नजर भी हैं क्योंकि आगामी टी20 विश्व कप में खेलने की भी उनकी संभावनाएं ज्यादा है। अगर अफगानिस्तान के खिलाफ बतौर कप्तान रोहित बढ़िया प्रदर्शन करते हैं और इसके बाद आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भी टीम इंडिया का कप्तान बनाया जा सकता है।

ब्रैडबर्न पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कोच पद छोड़कर ग्लमॉर्गन से जुड़े

लाहौर । ग्रांट ब्रैडबर्न ने पाकिस्तान के क्रिकेट कोच का पद छोड़ दिया है। ब्रैडबर्न अब ग्लमॉर्गन के नये मुख्य कोच बन गये हैं। उन्होंने इसके लिए 3 साल का एक करार किया है। ब्रैडबर्न ने सोशल मीडिया पर लिखा, पाकिस्तान क्रिकेट के साथ मेरा शानदार अध्याय समाप्त हो गया है। इस दौरान 5 वर्षों तक मुझे तीन भूमिकाओं को निभाने का अवसर मिला। इस दौरान मुझे जो कुछ भी हासिल हुआ, उस पर मुझे गर्व है और मैं आभारी हूं कि मुझे इतने बेहतरीन खिलाड़ियों, कोच और सदस्यों के साथ काम करने का अवसर मिला। वहीं उनकी नई टीम ग्लमॉर्गन का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा है। काउंटी चैंपियनशिप के डिविजन 2 में वह 5वें स्थान पर रहे थे जबकि सफेद गेंद प्रतिस्पर्धा में वह नॉकआउट स्तर तक भी नहीं पहुंच पाए। ब्रैडबर्न का सबसे पहला काम उनके नए कप्तान को बनाना रहेगा। ब्रैडबर्न को पिछले साल ही सकलैन मुश्ताक की स्थान पर पाकिस्तान की टीम का कोच बनाया गया था। उन्होंने बतौर मुख्य कोच न्यूजीलैंड, श्रीलंका का टेस्ट दौरा किया था और वह एकदिवसीय विश्वकप में भी पाकिस्तानी टीम के साथ भारत आए थे।

ईशान को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल करना चाहिये था : चोपड़ा

नई दिल्ली ।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दिये जाने पर हैरानी जतायी है। चोपड़ा के अनुसार ईशान को टीम में क्यों शामिल नहीं किया यह वह समझ नहीं पा रहे हैं। उनका मानना है कि संजू सैमसन और जितेश शर्मा से ज्यादा ईशान किशन को शामिल करने पर विचार करना चाहिये था क्योंकि वह पारी की शुरुआत के अलावा बीच के ओवरों में भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम इंडिया की चयन समिति ने अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली आगामी टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम के लिए कई युवाओं को अवसर दिया है पर ईशान उसमें नहीं हैं। ये तीन मैचों की सीरीज मोहाली, बेंगलुरु और इंदौर में खेली जाएगी। आकाश के अनुसार अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान की जगह पर सैमसन को शामिल करने का कोई कोई कारण नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा, जितेश और संजू दोनो ही विकेटकीपर हैं, हालांकि पिछली दो सीरीज में सैमसन को विकेट कीपर के तौर पर नहीं रखा गया था। वहीं ईशान विकेटकीपर के तौर पर जा रहे थे पर अब वह नहीं हैं। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि शीर्ष क्रम में खाली स्थानों की कमी को देखते हुए चयनकर्ताओं से ईशान की जगह पर सैमसन और जितेश को शामिल करने के लिए कहा गया होगा। आकाश ने कहा, आपने अचानक ओपनिंग स्लॉट भर दिया है। विराट कोहली नंबर 3 पर खेलते हैं, वह नंबर 4 पर नहीं खेलते हैं। इसलिए कीपर को निचले क्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। आपके पास केवल दो कीपिंग विकल्प हैं जो निचले क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं, एक जितेश शर्मा हैं और दूसरे संजू सैमसन हैं।

दीप्ति, तितास ने महिला टी20 रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई

नई दिल्ली,

भारत की सीनियर ऑफ स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और युवा तेज गेंदबाज तितास साधु की जोड़ी ने मंगलवार को आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में बड़ी छलांग लगाई है। दीप्ति टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑलराउंडर रैंकिंग में चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। 723 रेटिंग अंकों के साथ, दीप्ति ने गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेको म्लाबा को पीछे छोड़ दिया, जिनके 722 रेटिंग अंक हैं। दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी दो टी20 मुकाबलों में 2/24 और 2/22 के स्पैल के साथ वापसी की। उनके गेंदबाजी प्रदर्शन के साथ 30 का स्कोर उन्हें 381 की ऑलराउंडर रेटिंग पर ले गया, जो ऑस्ट्रेलिया की ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर (398) से 17 अंक पीछे है, जो तीसरे स्थान पर हैं।दूसरी ओर, तितास मौजूदा टी20 सीरीज में दीप्ति के चार विकेट की बराबरी करने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं, जो गेंदबाजी रैंकिंग में 358 रेटिंग अंकों के साथ 50 स्थान ऊपर चढ़कर 92वें स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए, लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम नवी मुंबई में दो मैचों में तीन विकेट लेकर 15 स्थान की छलांग लगाकर 28वें स्थान (571 रेटिंग अंक) पर पहुंच गई। बल्लेबाजी रैंकिंग में, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने हमवतन गार्डनर को पछाड़कर 636 की रेटिंग के साथ शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश किया। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने दो पारियों में 77 रनों की बदौलत अपना चौथा स्थान बरकरार रखा, जबकि एलिस पेरी मध्यक्रम में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत दो पायदान चढ़कर 19वें स्थान (590 रेटिंग अंक) पर पहुंच गयी हैं। ऑस्ट्रेलिया की युवा बल्लेबाज फोएबे लीचफील्ड, जो आईसीसी की वर्ष की उभरती हुई महिला क्रिकेटर भी हैं, दोनों टी20 में 49 (32) और 18 नाबाद (12) के स्कोर की बदौलत बल्लेबाजी रैंकिंग (440) में 26 स्थान की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर पहुंच गईं। . महिलाओं की एकदिवसीय रैंकिंग में, ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट ने छह ओवरों में 2/23 विकेट लिए, जिससे वह गेंदबाजी रैंकिंग (672) में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं और इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन से पीछे रहीं, जो 746 की रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर हैं। जॉर्जिया के 3/23 के स्पैल में लेग स्पिनर छह पायदान ऊपर 12वें (565) स्थान पर पहुंच गयीं, जबकि फोएबे के शतक ने उसे नौ स्थान की छलांग लगाकर बल्लेबाजी रैंकिंग (23वें) में 23वें स्थान पर पहुंचा दिया।

नवीन सहित अफगानिस्तान के तीनों क्रिकेटरों को राहत, बोर्ड ने प्रतिबंध हटाया

काबुल ।

अफगानिस्तान के तीनों ही क्रिकेटरों मुजीब उर रहमान, फजल हक फारूकी और नवीन उल हक को बड़ी राहत मिली है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इनपर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। एसीबी के अनुसार अब ये तीनों ही अब केंद्रीय अनुबंध करने के लिए तैयार हैं, इसलिए प्रतिबंध हटाया गया है पर इन खिलाड़ियों का वेतन कटेगा। एसीबी के अनुसार अब उसने नीयमों को मानने के लिए इन खिलाड़ियों को अंतिम चेतावनी जारी की है। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा है कि संशोधित प्रतिबंध के तहत अब इन खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध प्राप्त करने और राष्ट्रीय कर्तव्यों और एसीबी के हितों के प्रति उनकी पूर्ण प्रतिबद्धता पक्की करते हुए फ्रेंचाइजी लीग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले खिलाड़ियों ने एसीबी के पास बिना शर्त संपर्क करते हुए फिर से देश का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा जतायी थी। एसीबी के बयान में कहा गया है, हाल के घटनाक्रम को देखते हुए खिलाड़ियों के शुरुआती रुख का आंकलन करने और राष्ट्रीय टीम में उनके रहने के महत्व को स्वीकार करने के बाद नियुक्ति समिति ने बोर्ड को अपनी अंतिम सिफारिशें बताईं। साथ ही कहा गया कि अब इन खिलाड़ियों को एक एक अंतिम चेतावनी देने के साथ ही उनकी वेतन कटौती भी होगी। से कटौती मासिक कमाई या मैच फीस से हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सफलता के लिए भावों को काबू में रखने की कला आना जरूरी है, खासतौर पर कार्यस्थल पर बहुत अधिक भावुकता करियर पर नकारात्मक असर डालती है। नियमित रूप से छोटी-छोटी बातों पर आंसू बहाना, गुस्सा होना, झुंझलाहट या शिकायत करना ऑफिस में व्यक्ति की साख पर सवाल खड़े कर देता है।

वर्कप्लेस इमोशंस का बोझ दिमाग पर

राहुल ऑफिस जाने के विचार से ही परेशान हो जाता है। उसका वहां जाने का बिल्कुल मन नहीं करता। अक्सर वह 'वर्क फ्रॉम होम' के विकल्प को चुनने की कोशिश करता है। उसे लगता है कि घर में वह अपना काम ऑफिस की तुलना में अधिक बेहतर कर पाता है। दूसरी तरफ ऑफिस के माहौल में उसे हर समय एक अजीब किस्म की चिंता, तनाव और असहजता महसूस होती है। उसे लगता है कि ऑफिस में सभी का व्यवहार अजीब है। उसका बॉस सिर्फ उस पर अव्यावहारिक काम का बोझ लादना और मीटिंग में चिल्लाना जानता है और उसके साथ के सहकर्मी आपसी गॉसिपिंग और चुगली करने में ही लगे रहते हैं। सब स्वार्थी हैं, कोई किसी की मदद नहीं करता। इन्हीं सब कारणों से कई बार राहुल कंपनी बदलने की भी सोचता है। लेकिन उसे एक ओर मंदी की वजह से अवसरों की कमी नजर आती है तो दूसरी तरफ बाकी ऑफिसों की स्थिति भी कुछ अलग दिखाई नहीं देती। ऐसे में वह यह सोचने पर मजबूर हो जाता है कि कहीं ऐसा न हो कि उसकी स्थिति आसमान से गिरे और खजूर में अटके वाली हो जाए। आज ऑफिसों में बड़ी संख्या में अधिकारी से लेकर कर्मचारी वर्ग इस मनोदशा से गुजरता हुआ दिखायी देता है। अधिकतर की बातें ऑफिस के खराब माहौल, ऑफिस की राजनीति और कर्मियों के बीच तनातनी के बारे में हो रही होती हैं। जहां पहले ऑफिस कर्मचारियों को एक परिवार की तरह देखा जाता था, वहीं आज ऑफिस कर्मियों के बीच आपस के सुख-दुख की बातें शेयर होना कम हो गया है। बाहरी तौर पर देखने में ये बातें बिजनेस परिवेश का हिस्सा नजर आती हैं, पर हकीकत में इन सब समस्याओं की जड़ हमारे खुद की भावात्मक कमजोरी में छुपी होती है। पिछले 30 से 40 सालों में कार्यस्थल पर भावों की भूमिकाओं को लेकर बहुत शोध हुए हैं, जिसमें यह पाया गया है कि पहले जहां एग्जीक्यूटिव्स का इंटेलिजेंस क्रोशंट और तकनीकी जानकारी उनकी सफलता की कुंजी माने जाते थे, वहीं आज इनके सबके साथ इमोशनल इंटेलिजेंस का होना भी जरूरी हो गया है।

क्या है इमोशनल इंटेलिजेंस (ईआई)

इमोशनल इंटेलिजेंस को आसान शब्दों में कहें तो यह सामाजिक परिपेक्ष्य में भावों की जानकारी और उसके अनुसार भावों को साधने की कला है। इस इमोशनल इंटेलिजेंस को जब प्रोफेशनल वर्कप्लेस से जोड़ कर देखा जाता है तो परिपेक्ष्य सामाजिक के साथ प्रोफेशनल भी बन जाता है। इसी बदलाव के कारण कार्यस्थल पर भावों को काबू रखना थोड़ा अलग और शायद मुश्किल हो जाता है। जब इमोशंस के साथ महत्वाकांक्षाएं जुड़ जाती हैं तो अहसास शुद्ध न होकर दिशात्मक हो जाते हैं। हमारी उम्मीदों का स्वरूप बदल जाता है। जहां निजी संबंधों में भावों की अभिव्यक्ति बहुत धीमी और विनम्र हो जाती है, वहीं कार्यस्थल के परिवेश में भावों का विस्फोट त्वरित और तीखा हो जाता है। भावों के बारे में यह समझ और जानकारी हमें कार्यस्थल पर अपने और दूसरे लोगों के व्यवहार को समझने में मदद करती है। अगर हम इस परिपेक्ष्य के बदलाव और अभिव्यक्ति के तरीके में फर्क को समझ लें तो हमें कार्यस्थल पर लोगों के व्यवहार से जुड़ी बहुत सी समस्याओं का हल मिल जाता है। कैसे विकसित होती है इमोशनल इंटेलिजेंस -

प्रभावी ढंग से सुनें

आमतौर पर हम अपने नजरिए से बातों को सुनते हैं। इसे ऑटोबायोग्राफिकल लिस्निंग कहते हैं। प्रभावी ढंग से सुनने का आशय है कि हम पहले यह समझें कि दूसरा व्यक्ति किस स्थिति व परिस्थिति में बोल रहा है, उसका आशय क्या है, तुरंत सहमत या असहमत होने के निर्णय पर पहुंचने की जरूरत नहीं है। हमेशा हर शब्द के पीछे के अर्थ को खोजने की जरूरत नहीं होती।

समानुभूति रखें

इसके लिए गैर-निर्णायक सोच विकसित करें। सोच पर अनुशासन न होने का सबसे अनुत्पादक परिणाम यह होता है कि हम तुरंत फैसला सुना देते हैं। दूसरों को समझने के लिए सुनना बंद कर देते हैं। हमारे विचार इसी दिशा में चलने लगते हैं कि हम इस मुद्दे पर क्या सोचते हैं। समानुभूति विकसित करके, हम उन्हें यह बता पाते हैं कि हम उनके नजरिए को भी समझ रहे हैं। ध्यान रखें, यहां बात सहमति या असहमति की नहीं, बस दूसरों को समझने की है।

खुद को अपडेट करना

हमें कार्यस्थल की संस्कृति, मूल्यों और कार्यस्थल के शिष्टाचार के बारे में भी जानकारी विकसित करनी चाहिए। हर संगठन अपने आप में अलग होता है और उसकी अपनी एक संस्कृति, मूल्य, लक्ष्य व उद्देश्य होते हैं, जिसका प्रभाव उस संगठन के कर्मियों पर पड़ता है। बहुत बार हमें कुछ व्यवहार इसलिए बुरे लगते हैं, क्योंकि हमें लगता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हो रहा है। पर यदि पता चले कि वह व्यवहार उस संगठन की संस्कृति और गतिविधियों का हिस्सा है तो आपके अंदर नकारात्मक भाव पैदा होने से रुक जाते हैं।

अचानक भावों पर काबू न रहना..

कई बार आईई होने के बावजूद भी भावों पर काबू नहीं रह पाता। नतीजा, या तो व्यक्ति दूसरे पर चिल्लाने लगता है या खुद को असहाय महसूस करने लगता है। दूसरों पर शक और खुद पर अविश्वास करने लगता है। ऐसा होने पर क्या करें-

विराम - भावावेश को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि प्रतिक्रिया पर विराम लगा दें। छोटा-सा विराम मस्तिष्क को भावों पर नियंत्रण रखने में मदद करेगा और आप प्रतिक्रिया की जगह बातों का जवाब देंगे।

चुप्पी - चुप्पी संभावित विस्फोट की स्थिति को टालने का सबसे सुनहरा अवसर है। गैर मौखिक तरीका अपनाएं। आपकी शारीरिक मुद्रा दूसरे व्यक्ति के भावावेश को काबू में रखेगी।

स्वीकारना - अपने भावों को समझों और उन्हें स्वीकार करें। जितना अधिक आप नकारात्मक विचारों की उपस्थिति को नकारेंगे, उतना ही विचारों का दबाव बढ़ता जाएगा। अपने भावों को स्वीकारना या कबूलना शॉक अब्जॉर्बर का काम करता है।

नजरअंदाज करना - यदि संभव हो तो उस स्थिति को नजरअंदाज कर दें। दूसरे व्यक्ति को कहें कि आपको इस मुद्दे पर बात करने के लिए और समय चाहिए।

शांत होना - शांत होना और ध्यान करना सीखें। ध्यान करने वाले लोगों का भावों पर अधिक नियंत्रण देखने को मिलता है।

जरूरत पड़ने पर अभिव्यक्त करें - उपरोक्त सभी तकनीक असफल होने पर, अपने विचारों को संयमित तरीके से अभिव्यक्त करें। यदि व्यक्ति नजदीकी है तो अपने इस व्यवहार से आप उसे परिचित करा सकते हैं। इससे आपको बिना किसी नुकसान के अपने विचारों को अभिव्यक्त करने में मदद मिलेगी।

लोकप्रिय हुआ योग बढ़ी कॅरियर की संभावना

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ ने इसका महत्व और बढ़ा दिया है। आजकल न सिर्फ मानसिक शांति, तनाव से छुटकारे के लिए बल्कि बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज योग-ध्यान से किया जा रहा है। इसलिए दुनिया भर में इसके प्रति लोगों की रुचि में भारी इजाफा हुआ है। देश और दुनिया के तमाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में योग पर शोध किए जा रहे हैं। इससे साथ ही योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं।

योग भारत की ऐसी प्राचीन विद्या है जो धर्म, स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ ने इसका महत्व और बढ़ा दिया है। आजकल न सिर्फ मानसिक शांति, तनाव से छुटकारे के लिए बल्कि बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज योग-ध्यान से किया जा रहा है। इसलिए दुनिया भर में इसके प्रति लोगों की रुचि में भारी इजाफा हुआ है। देश और दुनिया के तमाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में योग पर शोध किए जा रहे हैं। इससे साथ ही योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं।

योग अभ्यास के जरिए सीखा जा सकता है। लेकिन प्रशिक्षित योग शिक्षक बनने के लिए विधिवत प्रशिक्षण की जरूरत होती है। इसके लिए अभ्यर्थी को कम से कम दसवीं और बारहवीं उर्त्तीण होना जरूरी है। लेकिन इन्हें योग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में ही दाखिला मिलता है। योग में डिप्लोमा, बीएड, एमएड और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करने के लिए स्नातक होना जरूरी है।

योग में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की अवधि चार महीने से लेकर एक वर्ष तक की होती है। दसवीं और बाहरवीं के बाद ही इसमें प्रशिक्षण लेने की चाहत रखने वाले अभ्यर्थी इन विश्वविद्यालयों में दाखिला ले सकते हैं। जिनमें गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वारणासी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, कर्नाटक विश्वविद्यालय छाखाड़, अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र हैं।

जबकि डिम्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा में दाखिला लेने वाले की चाहत रखने वाले अभ्यर्थी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरूपति, अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र, बीएचयू वाराणसी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, बिहार योग भारती मुंगेर, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ हैं।

संस्थान

- अंतरराष्ट्रीय क्रियायोग विज्ञान अनुसंधान संस्थान, नई झंसी, इलाहाबाद।
- योग रिसर्च एण्ड फाउंडेशन कैवल्यधाम, लोनावाला पुणे।
- दि डिवाइन लाइफ सोसाइटी शिवानंदनगर, टिहरी गढ़वाल।
- प्राकृतिक चिकित्सा योग केन्द्र सेक्टर-14 करनाल।
- महर्षि दयानंद प्राकृतिक योग प्रतिष्ठान वैदिक आश्रम रामधार रोड़, अलीगढ़।
- देव अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र मोझील, कानपुर।

दूसरों की नकल कर न चुनें अपना करिअर

इष्ट-मित्रों या परिचित-रिश्तेदारों के अच्छे वेतन या आमदनी-रुतबे को देख उनके ही कार्य या व्यवसाय को अपना लेना हमेशा सही नहीं हो सकता। अपनी योग्यता, क्षमता, रुचि, लक्ष्य, उपलब्ध साधनों आदि की अनदेखी करना ठीक नहीं। इसके अलावा आज जरूरत इस बात की भी है कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एकाधिक विकल्पों को भी अपनी सूची में शामिल रखा जाए। अपनी रुचि और उससे सम्बन्धित व्यवसाय या कार्य के बारे में अपने माता-पिता या अन्य किसी जानकार और अनुभवी व्यक्ति से बातचीत या परामर्श अवश्य करना चाहिए।

निरन्तर बढ़ती जनसंख्या, रोजगार के घटते अवसर, कड़ी प्रतियोगिता आदि के कारण सामान्य ही नहीं योग्य व्यक्ति के हाथ भी असफलता ही आती है। सफलता पाना आसान नहीं रह गया है। कई बार युवाओं को लगता है कि उन्होंने गलत क्षेत्र चुन लिया है। प्रायः इससे कुंठा और परेशानी ही बढ़ती है। अभिभावक अपने ढंग से बच्चों के भविष्य के बारे में सोचते हैं, योजनाएं बुनते हैं। उसी के अनुसार वे पढ़ाई या प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था करते हैं। इस मामले में अक्सर उनकी उम्मीदें बहुत ज्यादा होती हैं। इष्ट-मित्रों या परिचित-रिश्तेदारों के अच्छे वेतन या आमदनी-रुतबे को देख उनके ही कार्य या व्यवसाय को अपना लेना हमेशा सही नहीं हो सकता। अपनी योग्यता, क्षमता, रुचि, लक्ष्य, उपलब्ध साधनों आदि की अनदेखी करना ठीक नहीं। इसके अलावा आज जरूरत इस बात की भी है कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एकाधिक विकल्पों को भी अपनी सूची में शामिल रखा जाए। अपनी रुचि और उससे सम्बन्धित व्यवसाय या कार्य के बारे में अपने माता-पिता या अन्य किसी जानकार और अनुभवी व्यक्ति से बातचीत या परामर्श अवश्य करना चाहिए।

सोच समझकर निर्णय लेना बहुत अच्छी बात है पर इसमें आवश्यकता से अधिक समय नहीं लगाना चाहिए। न्यूनतम समय में सही और उचित निर्णय लेना ही लाभप्रद होता है। अपनी रुचि के अनुरूप अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेते समय सम्बन्धित कार्य, प्रशिक्षण, व्यवसाय आदि के बारे में पर्याप्त जानकारी और सही आकलन करने का यथेष्ट प्रयास करना चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि हर क्षेत्र में प्रवेश करने और उसमें सफल होने के लिए अपेक्षित योग्यता के साथ-साथ उचित जानकारी, प्रशिक्षण, धैर्य, सहनशीलता, परिश्रम, संघर्ष आदि की आवश्यकता भी पड़ती है।

यह सभी जानते हैं कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। संयोग से भले ही किसी व्यक्ति को एकाध बार सफलता मिल जाए पर हर बार ऐसा होना सम्भव नहीं है। आज कम से कम समय में अधिक धन या सफलता पा लेना हर युवा का सपना बन गया है। अति उत्साह में कुद युवा अनुचित कदम उठा लेते हैं जो अन्ततः दुःखदायी सिद्ध होता है। कुछ युवाओं को विरासत में ही बिना मांगे बहुत कुछ मिल जाता है पर ऐसा सभी के लिए हो पाना सम्भव नहीं है। सही मायने में जो हासिल करना हो उसके लिए सही कोशिश करनी ही पड़ती है। अनिश्चय और अनिर्णय की स्थिति अधिक समय तक बनाए रखना ठीक नहीं होता। साथ ही निर्णय लेने के मामले में औरों पर आवश्यकता से अधिक कभी निर्भर नहीं रहना चाहिए। अनेक लोग राय लेने के मामले में काफी उदार होते हैं। वे हर व्यक्ति से राय लेते रहते हैं। नतीजा कुछ नहीं निकलता। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास कहीं गुम हो जाता है और वे कहीं के नहीं रहते। अंततः उन्हें समझौते की राह पकड़नी पड़ती है, यानी जो हाथ लग जाए उसी में सन्तोष करना पड़ता है। कभी-कभी हताशा में वे गलत कदम भी उठा बैठते हैं। कभी-कभी नशे की शरण में चले जाते हैं जो उचित नहीं। प्रयास करने पर भी सफलता न मिले तो भी निराश ओर कुंठित होने से बचना चाहिए। जीवन इतना छोटा नहीं है। एक असफलता सुनहरे कल को नहीं मिटा सकती। ऐसा शायद ही कोई व्यक्ति होगा जिसे हर बार सफलता ही मिली हो। एक सफलता के पीछे एकाधिक बार असफल होना भी हो सकता है। हां, अपनी कमियों और चूकों पर कड़ी निगाह अवश्य डालनी चाहिए। अपनी कमियों को यथाशीघ्र दूर करते हुए फिर चलकर आगे बढ़ने में ही समझदारी है।

एक ही लक्ष्य को पाने वालों की संख्या पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा होती है। सो योग्य व्यक्ति के लिए भी राह आसान नहीं हो सकती। इस प्रतियोगिता भरे समय में उचित विकल्पों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

विकल्पों के बारे में सजग रहना आवश्यक है। एक ही लक्ष्य पर नजर जमाए चलने से काम नहीं चलने वाला यानी अपने मुख्य लक्ष्य के अलावा उप मुख्य लक्ष्य भी ध्यान में रखना चाहिए। अपने मन से चुने हुए व्यवसाय या कार्य क्षेत्र के रूप को विस्तार देते हुए उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों पर भी नजर दौड़ानी चाहिए। निश्चय ही लगभग हर क्षेत्र में आपको एकाधिक विकल्प मिल जाएंगे। यह याद रखना आवश्यक है कि आप हर स्थित को अपने अनुकूल नहीं बना सकते अतः आप आवश्यक होने पर सवयं को ही कुछ बदलने का प्रयास करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी विदेश मंत्री ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से की मुलाकात

वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर गाजा में मानवीय संकट और लाल सागर में जहाजों पर हूती हमलों पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने इसकी जानकारी दी। मिलर ने कहा, विदेश मंत्री ब्लिंकन ने मंगलवार को अल उला में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। ब्लिंकन और बिन सलमान ने लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हूती हमलों को रोकने सहित क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए चल रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। यह बैठक गाजा में युद्ध को रोकने के प्रयास के लिए अपने मध्य पूर्व दौरे के हिस्से के रूप में ब्लिंकन की इजरायल यात्रा से पहले हुई है।

इंग्लैंड और साउथ वेल्स में फटा स्नो बम... अचानक आई तेज सर्द हवाएं

लंदन । इंग्लैंड में एक ही रात में मौसम ने ऐसी करवट बदली कि लोग कांपने लग गए। सड़कों, घरों, बिजली के खंभों हर कहीं बर्फ ही बर्फ गिरी दिख रही है। इतना ही नहीं तापमान गिर कर माइनस 9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। सर्दी में अचानक हुए मौसमी बदलाव को तकनीकी भाषा में स्नो बम कहते हैं। यानी बर्फ का बम फूटना। एकदम से तापमान गिर जाता है। ठंडी हवाएं चलती हैं। लगातार बर्फबारी होती रहती है। लाखों ब्रिटिश लोग अचानक हुए मौसमी बदलाव से परेशान हो गए। दक्षिणी इंग्लैंड और साउथ वेल्स में स्थिति ज्यादा खराब है। लंदन और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में भी भयानक बर्फबारी देखनें को मिली है। मौसम विभाग ने यलो वेदर अलर्ट जारी किया है। साथ ही कहा है कि 12 जनवरी तक उत्तर-पूर्वी इलाके, यॉर्कशायर, लंदन और इंग्लैंड के पूर्वी इलाकों में भयानक बर्फबारी होने की आशंका है। अगले 24 घंटों में साउथ वेल्स, मिडलैंड्स, लंदन और ईस्ट एंजलिया में बहुत से बहुत अधिक बर्फबारी होने की आशंका है। तापमान में तेजी से गिरावट आ सकती है। इसके बाद मौसम में सड़कों पर फिसलन बढ़ने की आशंका जाहिर की गई है। लोगों को सुरक्षित और घरों में रहने का निर्देश दिया गया है। लोगों को कहा गया है कि खासतौर से रात में गाड़ियां लेकर बाहर न निकले, बर्फ की वजह से पैदा हुई फिसलन और कम विजिबिलिटी से हादसों की आशंका है।

अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद पद पर बने रहेंगे लॉयड ऑस्टिन

वाशिंगटन । अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद अपने पद पर बने रहेंगे। व्हाइट हाउस ने खुलासा करते हुए कहा कि उनका पद पर बने रहना बरकरार रहेगा। बता दें कि वह पिछले हफ्ते अस्पताल में भर्ती हुए थे, जिसके बारे में देरी से खुलासा करने को लेकर हुए विवाद के बावजूद वह अपना पद बरकरार रखेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा कि मंत्री ऑस्टिन के पद पर बने रहने के अलावा किसी और चीज की कोई योजना नहीं है। किर्बी के अनुसार, 70 वर्षीय श्री ऑस्टिन सोमवार सुबह भी अस्पताल में थे। बता दें कि यह पता चलने के बाद कि राष्ट्रपति जो बाइडेन को सूचित किए जाने से पहले ऑस्टिन तीन दिनों तक अस्पताल में थे, व्हाइट हाउस और पेंटागन आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं। ऑस्टिन अमेरिकी सेना की कमान संरचना में राष्ट्रपति के बाद दूसरे स्थान पर हैं और उनसे किसी भी समय किसी भी राष्ट्रीय सुरक्षा संकट से निपटने के लिए तैयार रहने की उम्मीद की जाती है। इस मामले में किर्बी ने सोमवार को कहा कि व्हाइट हाउस घटना की जांच करेगा और इससे सीख लेगा। उन्होंने कहा कि हम वह करेंगे जो गर्म धुलाई के समान है और यह देखने की कोशिश करेंगे कि क्या प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं को बिल्कुल भी बदलने या संशोधित करने की आवश्यकता है ताकि हम इससे सीख सकें। राष्ट्रपति की मुख्य चिंता ऑस्टिन का स्वास्थ्य और उनका जल्दी ठीक होना है। उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही उन्हें पेंटागन में वापस देखेंगे। पेंटागन के एक प्रवक्ता ने कहा कि ऑस्टिन की 22 दिसंबर को एक वैकल्पिक चिकित्सा प्रक्रिया हुई और अगले दिन वह घर चले गए। हालाँकि 1 जनवरी की रात को, ऑस्टिन को गंभीर दर्द महसूस हुआ और उसे वाशिंगटन डीसी में वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया।

ब्राजील में बस और ट्रक की टक्कर में 25 लोगों की मौत, छह घायल

बाहिया । ब्राजील के उत्तरपूर्वी राज्य बाहिया में पर्यटकों को ले जा रही एक बस और ट्रक के बीच टक्कर में 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हुए हैं। राज्य के दमकल विभाग ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह जानकारी दी। हादसा रात साढ़े दस बजे साओ जोस डो जैकुइप शहर के पास एक राजमार्ग पर हुआ। खबर के अनुसार, मिनीबस बाहिया के उत्तरी तट पर पर्यटक स्थल ग्वाराजुबा समुद्र तट की यात्रा के बाद वापस जैकोबिना शहर की ओर जा रही थी। संघीय राजमार्ग पुलिस के हवाले से बताया कि दोनों वाहनों के बीच टक्कर संभवत- उस वक्त हुई होगी जब वाहन एक दूसरे से आगे निकलने का प्रयास कर रहे होगी। हालांकि, अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

ईसीआई के तीन अधिकारियों ने बांग्लादेश में शांतिपूर्ण मतदान होते देखा

ढाका । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के तीन अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में कई मतदान केंद्रों पर नागरिकों को शांतिपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करते देखा। आयोग के तीन अधिकारी बांग्लादेश में संसदीय चुनावों के लिए पर्यवेक्षक थे। निर्वाचन आयोग के शिष्टमंडल में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, महानिदेशक बी नारायण और प्रधान सचिव मोहम्मद उमर शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा, ''हमने कई मतदान केंद्रों का दौरा किया और मतदान प्रक्रिया को देखा। हमने इन मतदान केंद्रों पर बांग्लादेश के नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए देखा।'' प्रतिनिधिमंडल ने देश के 12वें संसदीय चुनावों में पर्यवेक्षक के रूप में बांग्लादेश की यात्रा की। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगातार चौथी बार आम चुनाव में जीत हासिल की। छिटपुट हिंसा और मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके सहयोगियों के चुनाव के बहिष्कार करने के कारण हसीना की पार्टी अवामी लीग के लिए जीत का रास्ता आसान हो गया।

पोप फ्रांसिस ने सरोगेसी को बताया घातक बोले प्रतिबंधित होना चाहिए

वेटिकन। ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने पूरी दुनिया में सरोगेसी पर बैन लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वो सरोगेसी के जरिए मां बनने को गलत मानते हैं क्योंकि इससे बच्चे और मां दोनों की गरिमा को ठेस पहुंचती है। बकौल पोप, गर्भ में पल रहे बच्चे को तस्करी की चीज नहीं बनाया जाना चाहिए। फ्रांसिस ने दुनिया के उन मुद्दों का भी जिक्र किया जिनकी चर्चा आमतौर पर कम होती है। पोप फ्रांसिस ने सरोगेसी का मुद्दा उठाया और इस प्रक्रिया को गलत बताया। उन्होंने कहा कि अजन्मे बच्चे के जीवन की रक्षा की जानी चाहिए और उसे दबाया या तस्करी की चीज नहीं बनाया जाना चाहिए। फ्रांसिस ने कहा,एक बच्चा हमेशा एक तोहफा होता है और कभी भी किसी एग्रीमेंट का आधार नहीं होता है। पोप ने सरोगेसी को दुनिया के लिए बड़ा खतरा बताते हुए उसे बैन करने की मांग की है। अमेरिका में सरोगेसी कॉन्ट्रैक्ट आम है, जिनमें मां के लिए सुरक्षा, स्वतंत्र कानूनी प्रतिनिधित्व की गारंटी और इलाज का कवरेज शामिल है। हालांकि इटली, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी और यूरोप के कई शहरों में सरोगेसी बैन है। बता दें कि सरोगेसी एक ऐसा तरीका है जिसमें एक महिला दूसरे जोड़े या व्यक्ति के लिए प्रेग्नेंट होती है और बच्चे को जन्म देती है। यानी जब कोई कपल बच्चा चाहता है और वो खुद बच्चा पैदा नहीं करना चाहता या फिर वो मेडिकली फिट नहीं हों तो ऐसे लोग किसी मां की कोख किराए पर लेकर मां-बाप बनते हैं। वेटिकन सिटी में राजदूतों को अपने नए साल के संबोधन में 87 साल के पोप फ्रांसिस ने अफसोस जताया कि 2024 इतिहास एक ऐसे समय में शुरू हुआ है, जिसमें शांति में कमी आ रही है और कुछ हद तक खो गई है।

अमेरिका में बोइंग लोकहीड के संयुक्त रुप से बनाये वल्कन राकेट की तस्वीरें लेते हुए लोग।

तानाशाह किम जोंग से ज्यादा शौकीन है उनकी बेटी किम जु एई

प्योंगयान । नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बेटी किम जु एई ही उसकी उत्तराधिकारी होगी। यह चर्चा इन दिनों जोरों पर चल रही हैं। हालांकि किम की बेटी अभी महज 11 साल की है, लेकिन इतने महंगे शौक रखती हैं कि हर कोई हैरान है। बता दें कि किम जोंग की क्रूरता के किस्से सिर्फ नॉर्थ कोरिया ही नहीं बल्कि दुनिया भर में मशहूर हैं। सत्ता के लिए किम जोंग उन अपनी जनता का शोषण करने से लेकर अपने रिश्तेदारों को मौत के घाट उतार दिया। उसके बारे में जब भी कोई खबर आती है, तो उसमें कुछ न कुछ ऐसा आदेश होता है, जिसके पीछे का तर्क तलाशना मुश्किल हो जाता है। जितना तानाशाह के फैसलों का ज़िक्र होता है, उतना ही जिक्र उसके परिवार का भी होता है। इस बात को लेकर हमेशा कहा जाता है कि उत्तर कोरिया के तानाशाह किम के बाद उसकी गद्दी की हकदार उसकी बहन होगी, जो पहले ही उत्तर कोरिया की राजनीति में दखल रखती है। लेकिन इस मामले में दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी का दावा कुछ और ही है। इजेंसी का कहना है कि उसकी गद्दी पर किम की प्यारी बेटी ही बैठेगी। एजेंसी का दावा है कि तानाशाह की बेटी किम जु एई ही उसकी उत्तराधिकारी होगी। वो जिस तरह अपने पिता के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में देखी जाती है, वो किसी ट्रेनिंग जैसा है। बताया जा रहा है ?कि 40 साल के तानाशाह की बेटी की उम्र अभी 11 साल है और वो अपने पिता के साथ अक्सर दिखाई देती है। माना जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों की वजह से किम को जब अपनी पावर ट्रांसफर करनी होगी, तो वो अपने किसी रिश्तेदार के बजाय अपनी बेटी पर भरोसा जताएगा। किम जु एइ को मार्च, 2023 में 1 लाख 58 हज़ार से ज्यादा की डियॉर ब्रांड की जैकेट पहने देखा गया था। उसने गूची के सनग्लासेज़ भी पहन रखे थे। जबकि इस समय नॉर्थ कोरिया के आर्थिक हालात कुछ खास ठीक नहीं चल रहे हैं।

दाऊद के घर का पता सबको था, पर वहां डॉन कभी नहीं रहा, अब मिला महल का नया पता

करांची (एजेंसी)। हाल ही में इंडिया का मोस्ट वांटेड डॉन दाऊद इब्राहिम को जहर देकर मारने की गैर प्रमाणित खबरें आई थी। अब एक नई खबर सामने आ रही है कि दाऊद इब्राहिम के असली घर मिल गए हैं। जी हां, दाऊद इब्राहिम के कराची के कय्यूमाबाद इलाके में दो आलीशान विला हैं। दाऊद का असली पता है स्ट्रीट नंबर 30, फेज 5, सेक्टर बी कय्यूमाबाद कराची। इन दोनों ही घरों में दाऊद इब्राहिम अपने भाई अनीस इब्राहिम के साथ रहता है। हैरान करने वाली वाली बात यह है कि दाऊद के घर से मात्र 700 मीटर की दूरी पर चीन का महावाणिज्य दूतावास है।

दाऊद इस समय 68 साल का हो गया है और वह बहुत कम ही घर के बाहर जाता है। दाऊद की सुरक्षा उसके कुछ खास सुरक्षाकर्मी करते हैं। यहां तक कि परिवार के सदस्यों को भी दाऊद के कमरे में जाने की अनुमति नहीं है। अगर दाऊद बुलाता है तभी वे उस कमरे में जाते हैं। यही नहीं परिवारवाले अगर जाते हैं तो उस दौरान भी दाऊद के सुरक्षा गार्ड वहां डॉन के पास मौजूद रहते हैं। दाऊद इस समय कई बीमारियों से जूझ

रहा है। दाऊद कई बार मेडिकल इमरजेंसी की वजह से अपने घर से निकला है। हाल ही में मिले लोगों ने दाऊद के मरने की खबर का खंडन कर दिया है। इससे पहले पाकिस्तान की सरकार ने दाऊद का गलत पता जानबूझकर जारी किया था ताकि वह एफटीएफ के प्रतिबंधों से बच जाए। हालांकि अब खुलासा हुआ है कि दाऊद उस पते पर कभी भी नहीं रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस बात की भी संभावना है कि चीनी दूतावास के पास स्थित दो और घरों पर भी दाऊद और उसके परिवार का कब्जा हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि दाऊद और उसका परिवार इन विला के अंदर तब से रहा है जब वे 1992 में मुंबई बम विस्फोट के बाद भारत से भागकर पाकिस्तान चले गए थे। दाऊद इब्राहिम को ये घर खुद पाकिस्तानी सेना ने मुहैया कराए हैं जो देश में सबसे शक्तिशाली है। पाकिस्तानी सेना ने भारत की आर्थिक राजधानी को सफलतापूर्वक दहलाने के पुरस्कार के रूप में में इन आलीशान घरों को दिया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक पाकिस्तान में दाऊद के घर को लेकर जितने भी रेकॉर्ड सामने आए थे, उनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी थी लेकिन अब यह हो गई है। इन ठिकानों की पुष्टि उन लोगों ने की है जो हाल ही में यहीं पर दाऊद और अनीस दोनों भाइयों से ही मिले हैं। इसके अलावा दस्तावेजों से भी इस बात की पुष्टि की हुई है कि ये दोनों ही घर दाऊद और अनीस के हैं। दाऊद के परिवार के एक सदस्य ने तो यहां तक बताया कि दाऊद और अनीस दोनों ही इस समय घर पर नहीं हैं। दाऊद का परिवार यूफोन का सिमकार्ड इस्तेमाल करते हैं। यह दुबई की कंपनी इतिसलात की सहयोगी कंपनी है।

शेख हसीना की जीत : भारत में जश्न तो अमेरिका को बढ़ा टेंशन ?

वॉशिंगटन। बांग्लादेश के आम चुनाव में शेख हसीना एक बार फिर चुनाव जीती हैं। उनका प्रधानमंत्री बनना भी तय है। हसीना की इस जीत से भारत में खुशी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हे बधाई भी दी है। वही शेख हसीना ने भी भारत की तारीफ करते हुए एक बेहतर मित्र बताया है। भारत और बांग्लादेश की इस दोस्ती के चर्चों के बीच अमेरिका ने बांग्लादेश के चुनावों पर चिंता जाहिर की है। अमेरिका ने शेख हसीना पर बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव नहीं कराने का आरोप लगाया है। वहीं स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को लेकर शेख हसीना ने कहा कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष था। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना ने कहा अगर कोई पार्टी चुनाव में हिस्सा नहीं लेती है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वहां लोकतंत्र नहीं है। बता दें कि बांग्लादेश में रविवार को हुए चुनाव में 41.8 प्रतिशत मतदान हुआ था। पिछले आम चुनाव में इसके दोगुना वोटिंग हुई थी।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हमें खेद है कि यह चुनाव निष्पक्ष नहीं था क्योंकि इस चुनाव में सभी दलों ने हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, चुनाव से पहले भी बांग्लादेश के अंदर यह सवाल उठ रहे थे। अंतरराष्ट्रीय फोरम में भी इसको लेकर चर्चा थी। अमेरिका ने विपक्षी दलों की बातों को लगभग सही ठहराया क्योंकि चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों ने भी शेख हसीना पर यही आरोप लगाया था। बता दें कि देश की मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सहित अन्य पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। अमेरिका ने बांग्लादेश में चुनाव से पहले और उसके बाद हुई हिंसा की निंदा की। मिलर ने कहा कि बांग्लादेश सरकार से हिंसा की रिपोर्टों की विश्वसनीय जांच करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की अपील की। बांग्लादेश में सात जनवरी को चुनाव था। इस चुनाव में अवामी लीग को 300 में से 223 सीट पर जीत मिली। विपक्षी जातीय पार्टी को 11 और सत्तारूढ़ दल के बागी उम्मीदवारों सहित निर्दलीय उम्मीदवारो को 61 सीटें मिली।

तालीबान के एक कदम ने पाकिस्तान को पानी पानी चिल्लाने के लिए किया मजबूर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और तालीबान के बीच तनातना कुछ दिनों से ज्यादा बढ़ गई है। अभी ताजा विवाद कुछ महीने पहले ही पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के हजारों अप्रवासियों को अपने देश से निकाल देने से शुरु हुआ। इसके जवाब में तालिबान ने भी पाकिस्तान को जाने वाली नदियों के पानी को रोकने का ऐलान कर दिया है। तालिबान कुनार नदी पर एक बड़ा डैम बनाने जा रहा है। ये वो नदी है जो पाकिस्तान की प्यास बुझाने में बड़ा योगदान देती है।

अफगानिस्तान में काबिज तालिबान प्रशासन कुनार प्रांत में कोश टेपा नहर के पूरा होने के बाद कुनार नदी के किनारे एक बड़े बांध का निर्माण शुरू करने जा रहा है। अगर तालिबान प्रशासन ने अफगानिस्तान में इस बांध का निर्माण पूरा कर लिया, तो इससे सबसे बड़ा नुकसान पाकिस्तान को होगा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान सूबे को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। कुनार नदी को चित्राल नदी के नाम से भी जाना जाता है। यह नदी अफगानिस्तान से होकर पाकिस्तान तक बहती है।

सामूहिक रूप से ये नौ नदी बेसिन न केवल पाकिस्तान और अफगानिस्तान बल्कि ईरान, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान जैसे अन्य पड़ोसी देशों में भी एक बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं। इनका रणनीतिक महत्व भी काफी ज्यादा है, क्योंकि अफगानिस्तान से बहने वाली इन नदियों के किनारे ही पड़ोसी देशों की सबसे ज्यादा आबादी बसती है। काबुल नदी का उद्गम पाकिस्तान में ब्रोघिल दर्रे के मस्तुज से होता है, जिसे ऊपरी चित्राल में मस्तुज नदी और निचले चित्राल में चित्राल नदी कहा जाता है। चित्राल लोवारी सुरंग पर अरुंडो पहुंचने पर अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में प्रवेश करती है और कुनार नदी बन जाती है। यह जलालाबाद में काबुल नाले में विलीन हो जाती है, जहां से इसे काबुल नदी कहा जाता है, और मोहमंद जिले में पाकिस्तान में फिर से प्रवेश करती है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान सूबे में काबिज सरकार के प्रवक्ता जान अचकजई ने ट्विटर पर लिखा, कुनार नदी, जिसे चित्राल नदी के नाम से भी जाना जाता है, पर बांध स्थापित करने का अफगान तालिबान का एकतरफा निर्णय पाकिस्तान के खिलाफ एक शत्रुतापूर्ण कार्रवाई माना जाएगा। इसके गंभीर परिणाम होंगे जिससे तनाव और संभावित संघर्ष बढ़ेगा। पाकिस्तान की धमकियों के बावजूद तालिबान प्रशासन बांध निर्माण को शुरू करने को तैयार है। हालांकि, पाकिस्तान का दावा है कि तालिबान को उसके बिना बांध निर्माण जारी रखने में मुश्किल हो सकती है। ऐसी बांध के निर्माण के लिए भारी वित्तीय निवेश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन की आवश्यकता होगी, जो तालिबान शासन के पास वर्तमान में नहीं है।

सियासी तनाव के चलते फ्रांस की पीएम एलिजाबेथ का इस्तीफा स्वीकार

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में कुछ विदेशियों को वापस स्वदेश भेजने के मामले हुए राजनैतिक तनाव के चलते प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। जिस राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्वीकार कर लिया है। मैक्रों के कार्यालय के बयान में कहा गया है कि नई सरकार नियुक्त होने तक बोर्न दैनिक घरेलू मुद्दों को संभालना जारी रखेंगी। बोर्न ने कुछ विदेशियों को वापस स्वदेश भेजने के सिलसिले में सरकार की शक्तियां बढ़ाने संबंधी विवादास्पद आव्रजन कानून और अन्य कदमों पर हालिया राजनीतिक तनाव के बाद इस्तीफा दिया है। इस कानून को राष्ट्रपति मैक्रों का समर्थन हासिल है। मैक्रों के दूसरी बार राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद मई 2022 में बोर्न को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वह देश की दूसरी महिला प्रधानमंत्री थीं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एलिजाबेथ बोर्न के साथ वाली एक तस्वीर साझा की है और

उन्हें धन्यवाद कहा है। इमैनुएल मैक्रों ने लिखा, मैडम प्राइम मिनिस्टर, प्रिय एलिजाबेथ बोर्न, हमारे राष्ट्र की सेवा में आपका कार्य हर दिन अनुकरणीय रहा है। आपने साहस, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प से हमारे प्रोजेक्ट को क्रियान्वित किया। पूरे दिल से धन्यवाद. अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उनकी जगह अब किसे पीएम नियुक्त किया जाएगा। मैक्रों के दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने जाने के बाद मई 2022 में एलिजाबेथ बोर्न को नियुक्त किया गया था। वह फ्रांस की दूसरी महिला प्रधानमंत्री थीं।

आतंकी पन्नू का नया शगूफा, भारतीय मुसलमानों से कहा उर्दूस्तान बनाओ

–अयोध्या में 22 को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले हवाई अड्डे बंद करने की दी धमकी

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब नया शगूफा छोड़ा है। उसने भारतीय मुसलमानों को उर्दुस्तान बनाने के लिए भड़काया है। इतना ही नहीं 22 को अयोध्या में होने वाले समारोह से पहले हवाई अडडों को बंद करने की धमकी भी दी है। जारी वीडियो से मिली जानकारी के अनुसार पन्नू ने भारतीय मुसलमानों को भड़काते हुए राम मंदिर उद्घाटन समारोह का विरोध करने का आह्वान भी किया। अपनी धमकियों में उसने राम मंदिर के खिलाफ जमकर जहर भी उगला है। अपने नए वीडियो में पन्नू ने 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अमृतसर से अयोध्या तक हवाई अड्डो को बंद करने का भी आह्वान किया। बता दें कि गुरपतवंत सिंह पन्नू आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस का सरगना है, जो दुनियाभर में खालिस्तान

के लिए तथाकथित जनमत संग्रह कराता रहता है। उसके पास कनाडा और अमेरिका की दोहरी नागरिकता भी है।

एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने अपने नए वीडियो संदेश में कहा कि अमृतसर से अयोध्या तक, हवाई अड्डे बंद। अब समय आ गया है, मुसलमानों, तुम भारत से एक देश उर्दूस्तान बनाओ। उसने कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का पूरी दुनिया में परिणाम देखने को मिलेगा। उसने मुसलमानों से इसका विरोध करने का भी आह्वान कर कहा कि यह मंदिर बाबरी मस्जिद पर बनाया गया है। पन्नू ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी मुसलमानों को भड़काते हुए कहा कि 22 जनवरी मुसलमानों के खिलाफ मोदी का ऑपरेशन ब्लूस्टार है। जो कि अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को खालिस्तानी आतंकवादियों से खाली कराने को लेकर चलाया गया ऑपरेशन था। इसी ऑपरेशन में खालिस्तानी आतंकवादी जनरैल सिंह भिंडारवाला मारा गया था। पन्नू भिंडारवाला को अपना आदर्श बताकर खालिस्तान की मांग करता है।

बता दें कि पन्नू को 2020 में भारत ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत नामित आतंकवादी घोषित किया था। पन्नू ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की मौत पर कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में भारतीय वाणिज्य दूतावासों और मिशनों को भी धमकी दी थी। पिछले साल, उसने ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और टोरोंट में महावाणिज्यदूत अपूर्व श्रीवास्तव की तस्वीरें एक पोस्टर में प्रसारित की थीं, जिसमें उन पर निज्जर की हत्या का आरोप भी लगाया था।

चीन कर रहा भारत को घेरने की कोशिश, म्यांमार के बंदरगाह पर किया निर्माण

–सैन्य जुंटा सरकार की गतिविधियों से परमाणु पनडुब्बियों को होगा सबसे ज्यादा खतरा

रंगून (एजेंसी)। म्यांमार की सैन्य जुंटा सरकार ने चीन को क्याउकफ्यू बंदरगाह को विकसित करने की पूरी छूट दे रखी है। इससे भारत की परमाणु पनडुब्बियों को सबसे ज्यादा खतरा होने वाला है। बता दें कि एक ओर जहां बंदरगाह पर निर्माण करके चीन भारत को घेरने की कोशिशें कर रहा है वहीं म्यांमार के क्याउकफ्यू बंदरगाह पर जुंटा सरकार ने निर्माण को खुली छूट दे रखी है। यह बंदरगाह म्यांमार के पश्चिमी किनारे पर स्थित है, जो भारत के बेहद करीब है। चीन इस बंदरगाह को इस ढंग के विकसित कर रहा है, जिससे जरूरत पड़ने पर उसका इस्तेमाल सैन्य हितों को पूरा करने के लिए किया जा सके। चीन दुनिया के हर मंच पर म्यांमार की सैन्य तानाशाह सरकार का बचाव कर रहा है। म्यांमार में स्थित क्याउकफ्यू बंदरगाह उन कई बंदरगाहों में शामिल हैं, जिनका संचालन चीन के हाथों में हैं। इनमें कंबोडिया में रीम नौसैनिक अड्डा, श्रीलंका में हंबनटोटा और पाकिस्तान में ग्वादर के अलावा जिबूती में एक नौसैनिक स्टेशन भी शामिल है।

गौरतलब है ?कि चीन और म्यांमार के बीच दिसंबर 2023 के अंतिम हफ्ते में क्याउकफ्यू बंदरगाह परियोजना को गति देने के लिए कथित तौर पर एक समझौते पर सहमति बनी थी। म्यांमार के सत्तारूढ़ जुंटा और चीन के राज्य के स्वामित्व वाले सीआईटीआईसी समूह (म्यांमार) के अधिकारियों ने निर्माण कार्य को तेज करने के लिए म्यांमार की राजधानी नेपीताव में मुलाकात की। क्याउकफ्यू पोर्ट की स्थिति को लेकर भारत चिंतित है। इसका निर्माण भारत के पूर्वी तट के बहुत करीब किया जा रहा है और यह भारत के प्रमुख नौसैनिक अड्डों में से एक आईएनएस वर्षा के करीब है। आईएनएस वर्षा को भारत की परमाणु पनडुब्बियों के होम बेस के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

जानकार बता रहे हैं कि भविष्य में इस नौसैनिक अड्डे पर न्यूक्लियर अटैक सबमरीन (एसएसएन) और बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन (एसएसबीएन) को तैनात किया जाएगा। भारत के पास वर्तमान में दो परमाणु पनडुब्बियां हैं, जो एसएसएन कैटेगरी से आती हैं। इनका निर्माण स्वदेशी तौर पर किया गया है। ये परमाणु पनडुब्बियां भारत की 18 डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों से कई मामलों में बेहतर हैं। एसएसएन पनडुब्बियां डीजल इलेक्ट्रिक की

तुलना में लंबे समय तक पानी के नीचे रह सकती हैं। अगर चीन भारत की परमाणु पनडुब्बियों की आवाजाही पर निगरानी रखने में सफल हो जाता है, तो युद्ध की स्थिति में भारत के परमाणु ट्रायड के समुद्री हिस्से को बेअसर करने के लिए बेहतर स्थिति में होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एआई कंपनी की सीईओ....कातिल मां ने किया 4 साल के बेटे का कत्ल

बेंगलुरु । कर्नाटक के चित्रदुर्ग में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने मां और बेटे के रिश्ते को ही तार-तार कर दिया है। दरअसल, एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी की महिला सीईओ सूचना सेठ ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इतना ही नहीं महिला बेटे की लाश को ठिकाने लगाने के लिए लाश को बैग में लेकर गोवा से कर्नाटक जा रही थी, लेकिन पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। ये कातिल मां माइंडफुल एआई लैब की फाउंडर है। कातिल मां सूचना सेठ की माइंडफुल एआई लैब डेटा साइंस टीमों और स्टार्टअप्स को सलाह देने का काम करती है। इसके साथ ही मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस मुहैया कराती है। एआई कंपनी की सीईओ सूचना सेठ गोवा के कैंडोलिम में होटल में अपने बेटे के साथ रुकी थी, लेकिन जब महिला होटल छोड़कर निकलने लगी तब बच्चा उसके साथ नहीं था। महिला को अकेले जाते देखने के बाद होटल स्टाफ को शक हुआ, लेकिन सूचना ने कहा कि उसने अपने बच्चे को पहले ही घर भेज दिया है। महिला के होटल से चेकआउट करने के बाद जब स्टाफ कमरे की सफाई के लिए पहुंचा, तब वहां खून के धब्बे देख हैरान रह गया और इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने इसम मामले में तत्परता से कार्रवाई शुरू की और जिस टैक्सी से महिला होटल से निकली थी, उसके ड्राइवर का फोन नंबर पता लगाकर पूरा मामला बताया। पुलिस के बातचीत के बाद वह टैक्सी चालक कर्नाटक के चित्रदुर्ग इलाके के पुलिस स्टेशन में लेकर चला गया और इस तरह से ये कातिल मां पुलिस की गिरफ्त में आ गई।

बंगाल में ममता राज में पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दी गई

-डब्ल्यूबीएसएससी घोटाले में अंदर हैं ममता के करीबी

नई दिल्ली । भाजपा ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर नौकरी देने के नाम पर पैसे लेकर मैरिट में फेरबदल करने, मेधावी अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में पीछे करने और पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में जोड़ने के अपने आरोप को दोहराकर वीडियो जारी कर ममता सरकार में हुए कई घोटालों को गिनाया है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों के खिलाफ सोशल मीडिया पर भाजपा अभियान चला रही। भाजपा ने कहा, घमंडिया अलायंस के काले कारनामे के एपिसोड-9 में देखिए। कि किस तरह ममता सरकार ने नौकरी देने के नाम पर पैसे लेकर मैरिट में फेरबदल की, कैसे मेधावी अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में पीछे किए और पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में जोड़ दिए गए। भाजपा ने 2 मिनट 34 सेकंड के वीडियो में आरोप लगाकर कहा है कि , वैसे पिछले 12 साल में ममता सरकार के घोटालों की लिस्ट बहुत लंबी है और इन्हीं घोटालों में एक नाम है, डब्ल्यूबीएसएससी घोटाला। साल 2016 में स्कूलों में शिक्षकों ग्रुप सी एवं डी के लिए 8611 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। भर्ती में ममता सरकार पर आरोप लगा कि कम नंबर वालों को ऊपर स्थान दिया गया और कुछ उम्मीदवारों का मैरिट लिस्ट में नाम नहीं होने पर भी उन्हें सीधे नियुक्ति दी गई। इस पूरे घोटाले को ममता के करीबी पार्थ चटर्जी ने उस समय शिक्षा मंत्री रहते हुए आला अधिकारियों और टीएमसी नेताओं के साथ मिलकर अंजाम दिया। जिसमें डब्ल्यूबीएसएससी ने अब कोर्ट में माना है कि ओएमआर शीट में गड़बड़ी कर घोटाले को अंजाम दिया गया था। भाजपा ने वीडियो में मामले में जांच एजेंसी ईडी द्वारा जुलाई 2022 में पार्थ चटर्जी और उनके करीबी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों सहित 14 जगहों पर की गई छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में बरामद हुए कैश और कई किलो सोना का जिक्र कर मामले में हुई कई गिरफ्तारियों की भी बात कही और साथ ही ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ किए जा रहे पूछताछ का भी जिक्र किया है।

एक गुमनाम चिट्ठी से हड़कंप : आरपीएफ में बड़े सेक्स स्कैंडल की शंका

मुंबई। ट्रांसफर पोस्टिंग और मनमाफिक तैनाती के बहाने आरपीएफ में महिला आरक्षकों का यौन शोषण की आशंका जताई जा रही है। एक गुमनाम चिट्ठी ने पूरे महकमें में हड़कंप मचा दी है। इस पत्र में आरपीएफ में तैनात एक महिला कांस्टेबल ने पत्र लिख कर पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक से इसकी शिकायत की है। इसमें महिला ने बताया है कि वरिष्ठ अफसर तीन साल से उसका यौन शोषण कर रहा है। महिला कांस्टेबल का आरोप है कि उनका वरिष्ठ अधिकारी अय्याश प्रवृत्ति का है। कांस्टेबल से लेकर निरीक्षक रैंक तक की महिला कर्मचारियों को वह नहीं छोड़ता है। तबादले की धमकी देकर उनका यौन शोषण करता है। यदि कोई उसकी बात नहीं मानती हैं तो उनकी नौकरी खाने की धमकी देता है। मीडिया में आ रही खबरों के मुताबिक पत्र में कहा गया है कि दूसरे रेल मंडल से स्थानांतरित होकर आई महिला कांस्टेबलों को पोस्टिंग के लिए हेड क्वार्टर में रखा जाता है, यहां इंतजार करने के नाम पर उनका यौन शोषण किया गया। उक्त मीडिया रिपोर्ट में सुमित ठाकुर, सीपीआरओ, पश्चिम रेलवे के हवाले से बताया गया है कि इस मामले में एक अज्ञात पत्र मिला है। जिसकी जांच की जाएगी। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चिट्ठी में लिखा है कि वह अकेली नहीं है। विभिन्न रेलवे मंडलों के आरपीएफ में कार्यरत कई महिला कांस्टेबल यौन उत्पीड़न की शिकार हैं। ये सभी जांच में सहयोग के लिए तैयार हैं। पीड़िता का दावा है कि उक्त अधिकारी को महिला आरक्षक (कांस्टेबल) मुहैया कराने में तीन आरपीएफ निरीक्षक शामिल हैं। इनमें दो निरीक्षक (एक महिला और एक पुरुष) मुंबई मंडल में और एक महिला निरीक्षक दाहोद में कार्यरत है। सभी पीड़ित महिला कांस्टेबल इस वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ बोलने को तैयार हैं।

चुनाव आयुक्त से मिले चंद्रबाबू नायडू, जगन मोहन रेड्डी सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विजयवाड़ा में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ कई शिकायतें उठाईं। उन्होंने चुनाव आयोग के अधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी जब वे आगामी विधान सभा और लोकसभा चुनावों से पहले राज्य के दो दिवसीय दौरे पर थे। मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू नायडू के साथ जनसेना प्रमुख पवन कल्याण भी मौजूद थे। आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा के भी चुनाव होने है। चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने आरोप लगाया कि किसी भी अन्य समय के विपरीत अत्याचार हो रहे हैं। लोकतंत्र का मजाक उड़ाया जा रहा है। हमें काम करने से रोकने के लिए, उन्होंने (वाईएसआरसीपी सरकार) हमारी पार्टी, उसके कार्यकर्ताओं और नेताओं की पूरी संरचना को नष्ट करने की कोशिश की। पूर्व मुख्यमंत्री ने वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर फर्जी मतदाताओं को शामिल करके मतदाता सूची में हेरफेर करने का भी आरोप लगाया।

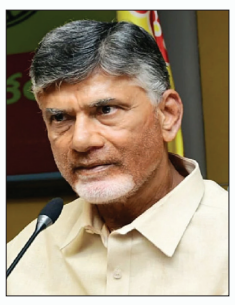

पीएम मोदी का मजाक उड़ाने वाले मंत्री ने जयशंकर को दी बधाई

नई दिल्ली । पीमए नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाने वाले मालदीव के मंत्री ने विदेश मंत्री जयशंकर को जन्मदिन की बधाई दी है। बता दें कि पीएम की हालिया लक्षद्वीप यात्रा के बाद भारत के खिलाफ अपनी अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर ऑनलाइन आलोचना का सामना करने वाले मालदीव के राजनेता जाहिद रमीज निशाने पर आ गए थे। उन्होंने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। जाहिद रमीज़ ने एक्स पर लिखा आदरणीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को जन्मदिन की शुभकामनाएँ! आपको सफलता और सकारात्मक कूटनीतिक प्रयासों से भरे साल की शुभकामनाएं। रमीज़ उस पोस्ट का जवाब दे रहे थे जिसमें जयशंकर ने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। भारत की विदेश नीति को आकार देने में उनका समर्पण और योगदान अनुकरणीय रहा है। यह वर्ष और अधिक सफलता और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आए क्योंकि वह समर्पण के साथ हमारे देश की सेवा करना जारी रखेंगे।

पीएम मोदी ने मंत्रियों को दिया सख्त संदेश, आस्था दिखाएं, गुस्सा नहीं

-कैबिनेट की बैठक में अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा के दिन सचेत रहने की सभी को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों को प्राण-प्रतिष्ठा के दिन संयम बरतने का सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मंत्रीगण आस्था दिखाएं न कि गुस्सा। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने राम मंदिर को लेकर पार्टी नेताओं और मंत्रियों से संयमित रहने को कहा है। साथ ही साथ उन्हें फालतू बयानबाजी ना करने की बात कही है। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि 22 जनवरी को आपको सचेत रहना है। आपको आस्था दिखाना है ना कि गुस्सा। उन्होंने कहा कि सरकार की मर्यादा को आप लोग बनाए रखें। पीएम नेताओं को बयान बाजी से बचने की नसीहत दे रहे है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो, इस बात का ध्यान रखें। 22 जनवरी के बाद लोगों को राम मंदिर का दर्शन कराए। अपने इलाके के लोगों को राम मंदिर लेकर आए। भाजपा ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के भव्य प्रतिष्ठा समारोह का देश भर में बूथ स्तर पर सीधा प्रसारण करने की तैयारी में है।

22 जनवरी, 2024 को होने वाले कार्यक्रम के ?लिए बीजेपी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर श्रीराम अभिषेक के लाइव प्रसारण के लिए बड़ी स्क्रीन लगाने का निर्देश दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को श्रीरामलला के अभिषेक को देखने का एक साधन प्रदान करना है। सूत्र ने कहा कि इस तरह आम जनता श्रीरामलला के दर्शन कर सकती है और अभिषेक समारोह देख सकती है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल की उस टिप्पणी पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर मुसलमानों से 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर रहने को कहा था। गिरिराज सिंह ने कहा कि बीजेपी मुसलमानों से नफरत नहीं करती। हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम करते हैं।

बता दें कि अयोध्या भूमि विवाद मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी को राम मंदिर के अभिषेक समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है और वह प्रार्थना में भी भाग लेंगे। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि बदरुद्दीन अजमल, औवेसी जैसे लोग समाज में नफरत फैलाते हैं। बीजेपी सभी धर्मों का सम्मान करती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अजमल ने मुसलमानों से 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर रहने और उस अवधि में अयोध्या में होने वाले राम मंदिर अभिषेक समारोह के दौरान ट्रेनों में यात्रा करने से बचने के लिए कहा है। उन्होंने बीजेपी को हमारे धर्म की दुश्मन बताया है।

भरत-ब्रिटेन के बीच सुरक्षा समझौता करने यूके पहुंचे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिनों के यूके दौरे पर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इस दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच कुछ रणनीतिक और सुरक्षा करारों पर समझौते हो सकते है। गौरतलब है कि यह यात्रा पहले जून 2022 में होने वाली थी, लेकिन यह अब हो रही है। भारत के किसी रक्षा मंत्री का बीते 22 सालों में यह पहला ब्रिटेन दौरा है। कहा जा रहा है कि अप्रैल 2022 में पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मुलाकात हुई थी। इसी दौरान दोनों के बीच डिफेंस पार्टनरशिप पर आगे बढ़ने को लेकर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यूके के डिफेंस मिनिस्टर ग्रैंट शैप्स से मुलाकात होगी। वह लंदन में स्थित महात्मा गांधी और डॉ. बीआर अंबेडकर मेमोरियल का भी दौरा करेंगे। राजनाथ सिंह के साथ डीआरडीओ के प्रतिनिधि और डिफेंस इंडस्ट्री के कुछ लीडर्स पर भी होंगे। उनकी मुलाकात पीएम ऋषि सुनक और विदेश मंत्री डेविड कैमरून से भी होगी। जानकारी इस यात्रा को भारत और ब्रिटेन के रिश्तों के लिहाज से अहम मान रहे है और दोनों देशों के बीच भरोसा जगाने की बात हो रही है। खासतौर पर तब जब पीएम ऋषि सुनक सितंबर 2023 में जी-20 समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। यह विजिट इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत ने हाल ही में खालिस्तानी तत्वों को यूके में शरण मिलने को लेकर चिंता जताई थी। यह यात्रा भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अहम है। दरअसल अब तक ब्रिटेन भारत के साथ रणनीतिक संबंधों के मामले में टॉप 5 देशों में शामिल है। इसके अलावा रोल्स रॉयस, जीई जैसी कई ब्रिटिश कंपनियां भी हैं, जो भारत में मेक इन इंडिया में शामिल होना चाहती हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इंडिया को ही नहीं जोड़ पा रही

-सीट बंटवारे से पहले यात्रा निकाले जाने को लेकर ज्यादातर नेता नाखुश

लखनऊ (एजेंसी)। राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इंडिया गठबंधन को ही नहीं जोड़ पा रही है। दरसअल सीट बंटवारे से पहले यात्रा निकाले जाने को लेकर ज्यादातर नेता नाखुश हैं। यह यात्रा 14 जनवरी से शुरू होने वाली है। लेकिन ये यात्रा यूपी-बिहार में इंडिया गठबंधन को ही नहीं जोड़ पा रही है। एक ओर जहां यूपी में अखिलेश यादव सीट बंटवारे से पहले कांग्रेस द्वारा यात्रा निकाले जाने को लेकर नाखुश हैं तो वहीं बिहार में गठबंधन की मुख्य साझेदार मानी जाने वाली नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) भी इस पर आपत्ति जता रही है।

जेडीयू की राय है कि ये यात्रा गठबंधन की ओर से होनी चाहिए थी, न कि सिर्फ कांग्रेस को अकेले-अकेले यात्रा निकालनी चाहिए। अखिलेश यादव ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि यूपी में राहुल गांधी की यात्रा पहुंचने से पहले सीटों का बंटवारा हो गया तो वह भी यात्रा में दिखाई देंगे लेकिन यदि सीटों का बंटवारा नहीं हुआ तो सपा इसके साथ खड़ी नहीं दिखाई देगी। अखिलेश ने बलिया में मीडिया से कहा कि यदि सीटों पर पहले फैसला हो जाता है तो सभी उम्मीदवार मजबूती से उनकी यात्रा में खड़े नज़र आएंगे।

उन्होंने कहा कि इसका मतलब अभी तो ये यात्रा कांग्रेस की है, और हमें उम्मीद है कि जितने भी विपक्ष के दल हैं, जो कांग्रेस के साथ गठबंधन करके लड़ना चाहते हैं, यात्रा से पहे उनके बीच सभी प्रदेशों की सीटों का बंटवारा हो जाएगा, जिससे लड़ाई और मजबूती से लड़ी जा सके। एक अन्य सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि यात्रा हो रही है, अच्छी बात है लेकिन सभी दल ये चाहते हैं कि यात्रा से पहले टिकट बंटवारा हो। सीट बंटवारा हो जाए और जब सीट बंटवारा हो जाएगा तो यात्रा में बहुत से लोग अपने आप सहयोग करने निकल पड़ेंगे। जो प्र?याशी चुनाव लड़ने वाला होगा पूरी जिम्मेदारी से वहां खड़ा दिखाई देगा।

वहीं अखिलेश यादव ने मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल किए जाने को लेकर बार-बार लगाई जाने वाली अटकलों पर कहा कि बात भरोसे की है। कौन भरोसा दिलाएगा। यदि वो आती हैं तो उनके शामिल रहने का भरोसा कौन दिलाएगा। उधर, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उनके साथी जेडीयू नेताओं ने भी आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। पार्टी नेता केसी त्यागी ने कहा है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा की योजना तैयार करने से पहले कांग्रेस को अपने सहयोगियों से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने ऐसा नहीं करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सभी 28 विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी के साथ भारत यात्रा की योजना बनाई जानी चाहिए थी। जानकारों का मानना है कि इंडिया गठबंधन की मुंबई बैठक के बाद अब सहयोगी दलों की बेचैनी और बढ़ रही है।

पूरे विश्व में पहुंचेगा जायका, अयोध्या की हनुमानगढ़ी के लड्डू को मिला जीआई टैग

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या की हनुमानगढ़ी के लड्डू अब विश्वभर में पहुंच सकेंगे। इसके लिए जीआई टैग लेने की तैयारी हो गई है। बता दें कि इन दिनों रामनगरी अयोध्या देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी चर्चा का केंद्र बनी हुई है। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है, जिसे लेकर तैयारियां अंतिम दौर में जारी है। इसी बीच एक और बड़ी खबर अयोध्या की मिठाई विक्रेताओं के लिए बेहद खुशी देने वाली है। अयोध्या की हनुमानगढ़ में बनने वाले देसी घी के लड्डुओं को अब जीआई टैग मिलने वाला है। जीआई टैग मिलने के लिए संबंधित प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। इसके बाद अयोध्या के इस जायके का स्वाद विश्व भर में प्रसिद्ध हो सकेगा। गौरतलब है कि किसी भी शहर में बनने वाले विशेष उत्पाद की पहचान को प्रमाणित करने के लिए जीआई टैग दिया जाता है जिसे ज्योग्राफिकल इंडक्शन कहा जाता है। जीआई टैग मिलने से किसी भी उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता का उत्पादन माना जाता है।

गौरतलब है कि हनुमानगढ़ी के देसी घी के लड्डू को प्रसाद के तौर पर भगवान हनुमान को चढ़ाया जाता है। इन लड्डुओं को विश्व में पहचान दिलाने के लिए लंबे समय से कोशिश की जा रही थी। अब जीआई टैग हासिल करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके बाद कुछ ही महीनों में जीआई टैग मिल जाएगा। जीआई टैग के लिए आवेदन को आठ जनवरी को स्वीकार किया गया है। वहीं जीआई टैग मिलने के बाद तिरुपति के मंदिर में मिलने वाले प्रसाद की तरह हनुमानगढ़ी के लड्डुओं के प्रसाद को भी जीआई रजिस्ट्रेशन मिलने जा रहा है। इसके बाद संभावना है कि सरकार लड्डुओं की गुणवत्ता, प्रचार-प्रसार और पैकेजिंग की ओर भी ध्यान दे सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बिलकिस बानो हुई खुश, कहा- यही न्याय है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बिलकिस बानो खुश हो गई हैं। उन्होने कहा कि यही न्याय है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो बलात्कार मामले में 11 दोषियों को रिहा करने के गुजरात सरकार के आदेश को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद, बिलकिस बानो ने एक बयान में कहा कि फैसले से ऐसा लगा जैसे पहाड़ के आकार का पत्थर उनके सीने से हटा दिया गया हो और वह फिर से सांस ले सकेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसा ही न्याय महसूस होता है। आज सचमुच मेरे लिए नया साल है। मैंने राहत के आँसू रोये हैं। मैं डेढ़ साल से अधिक समय में पहली बार मुस्कुराई हूं। मैंने अपने बच्चों को गले लगा लिया है। ऐसा महसूस होता है जैसे पहाड़ के आकार का पत्थर मेरे सीने से उठ गया है, और मैं फिर से सांस ले सकती हूं। बानो ने अपने वकील द्वारा जारी एक बयान में कहा कि मुझे, मेरे बच्चों और हर जगह की महिलाओं को सभी के लिए समान न्याय के वादे में यह पुष्टि और आशा देने के लिए मैं भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय को धन्यवाद देती हूं। 2022 में 11 दोषियों को रिहा किए जाने पर उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस बारे में बात करते हुए बानो ने कहा कि डेढ़ साल पहले 15 अगस्त, 2022 को, जब जिन लोगों ने मेरे परिवार को नष्ट कर दिया था और मेरे अस्तित्व को आतंकित किया था, उन्हें समय से पहले रिहा कर दिया गया था, मैं बस ढह गयी।

बिलकिस बानो ने कहा कि मुझे लगा कि मेरे साहस का भंडार खत्म हो गया है। जब तक लाखों एकजुटताएं मेरे रास्ते में नहीं आईं। भारत के हजारों आम लोग और महिलाएं आगे आईं। पूरी कानूनी लड़ाई के दौरान अपनी सहायता प्रणाली के बारे में बात करते हुए बिलकिस बानो ने कहा कि उनकी जैसी यात्राएं अकेले नहीं की जा सकतीं, उन्होंने कहा कि हर मोड़ पर उनके पति और बच्चे उनके साथ थे। अब लेकिन न्याय से काफी राहत है।

पंजाब के लोग जम्मू-कश्मीर में न बस जाएं, इस डर से लागू की थी धारा 370

-नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने किया खुलासा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 लागू करने की वजह बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इसे 1947 में महाराजा हरि सिंह ने पेश और लागू किया था। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि आखिर धारा 370 को जम्मू कश्मीर में किस वजह से लागू किया गया है। उन्होने कहा कि अनुच्छेद 370 को इस चिंता के कारण लागू किया गया था कि विभाजन के बाद पंजाब से लोग जम्मू और कश्मीर में आ सकते हैं और वहां बस सकते हैं। जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम अनुच्छेद 370 नहीं लाए। इसे 1947 में महाराजा हरि सिंह ने पेश और लागू किया गया था। यह केवल इस डर से लगाया था कि पंजाब के लोग विभाजन के बाद यहां आकर बस जाएंगे और हमारे राज्य के गरीब लोग अपना सामान बेच देंगे। उन्होंने आगे कहा कि महाराजा हरि सिंह ने यहां के स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए अनुच्छेद 370 लागू किया था।

बातचीत के दौरान कहा कि विभाजन के बाद महाराजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर के गरीब लोगों को बचाने के लिए इस धारा को लागू किया था। उन्होंने केवल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां आरक्षित की थी, यहीं आर्टिकल 370 था। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दिसंबर 2023 में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के आर्टिकल 370 को रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने धारा 370 को निरस्त करने के सरकार के कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। तब टॉप कोर्ट ने माना था कि धारा 370 एक अस्थायी प्रावधान था।

इसमें कहा गया कि किसी राज्य की ओर से केंद्र द्वारा लिए गए हर फैसले को कानूनी चुनौती नहीं दी जा सकती और इससे राज्य का प्रशासन ठप हो जाएगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत दिए गए जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने की घोषणा की थी और क्षेत्र को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव अगले साल सितंबर तक होने चाहिए।

अंजू को मिली शानदार जॉब, पाकिस्तान से नसरुल्ला को बुलाने की तैयारी

-भारत में दोनों के एक साथ रहने की योजना पर पति अरविंद ने फेर दिया पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से पाकिस्तान जाकर फिर वापस भारत लौटी अंजू को दिल्ली में अच्छी जॉब मिल गई है। अब वह पाकिस्तान से नसरुल्ला को भी भारत बुलाकर दोनों एक साथ रहना चाहते हैं, लेकिन अंजू के पति अरविंद ने उसकी सारी तैयारी पर पानी फेर दिया है। उसने अंजू को तलाक देने से मना कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अंजू ने भारत आने के बाद अब दिल्ली में नौकरी करना शुरू कर दिया है। यही नहीं अंजू का इरादा अब खुद की कंपनी खोलने का भी हो गया है। अंजू को दिल्ली की एक कंपनी ने नौकरी दी है और 8 घंटे तक वह रोज काम करने लगी है। वहीं अंजू ऊर्फ फातिमा का पाकिस्तानी पति नसरुल्ला भी भारत आने को बेकरार है लेकिन वीजा के मामले ने उसे उलझा दिया है। इस बीच अंजू और नसरुल्ला की शादी के बाद एक साथ रहने की योजना पर अरविंद ने पानी फेर दिया है। अरविंद ने साफ कह दिया है कि वह अंजू को तलाक नहीं देगा। हालांकि अरविंद भी अब अपने काम पर जाने लगा है और अंजू के तलाक के पेपर पर साइन नहीं कर रहा है। अंजू ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वह अपने घर से ही नेटवर्किंग बिजनेस का भी काम कर रही है। इससे पहले अंजू एमवे कंपनी के लिए नेटवर्किंग का काम करती थी, तब उसकी नसरुल्ला से पहचान हुई थी।

इसके बाद दोनों के बीच प्यार हो गया और नसरुल्ला से मिलने के लिए अंजू पाकिस्तान चली गई थी। अंजू जब पाकिस्तान गई उसी समय पाकिस्तान से अवैध तरीके से सीमा हैदर भी अपने बच्चों के साथ भारत आई थी। इससे अंजू का मामला पाकिस्तान और भारत दोनों ही जगहों पर सुर्खियों में आ गया था। अंजू ने कहा कि उसके दोनों बच्चे अभी उसी के पास है लेकिन बाद में भिवाड़ी जाएंगी ताकि वे अपनी पढ़ाई पूर कर सकें। अंजू ने कहा कि वह जल्द ही अपना बिजनस शुरू करेगी। उसने यह भी बताया कि नसरुल्ला से शादी के पहले वह लोगों के पास जाती थी और उन्हें नेटवर्किंग बिजनस से जोड़ने का प्रयास करती थी। अब आलम यह है कि लोग खुद ही उससे जुड़ रहे हैं। इससे उसको काफी फायदा हो रहा है। अंजू ने यह भी बताया कि वह जल्द ही अपने बच्चों के स्कूल बदल देगी।

अंजू ने यह भी खुलासा किया कि नसरुल्ला ने भारत आने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। नसरुल्ला से शादी के बाद इस्लाम धर्म अपनाकर फातिमा बनने वाली अंजू ने कहा कि पाकिस्तान में उसे दो घर मिले हैं। इसमें एक तो राजधानी इस्लामाबाद के पॉश इलाके में है। दूसरा प्लॉट है। एक घर अंजू तो दूसरा घर नसरुल्ला के नाम पर है। अंजू ने कहा कि उसकी गलत छवि बनाई गई, मैंने कोई गलती नहीं की थी। अंजू कहती है कि हर दिन कोई न कोई हिंदू लड़की मुस्लिम बनती है और मुस्लिम लड़कियां हिंदू धर्म अपनाती हैं। लेकिन केवल उसे ही गलत समझकर टारगेट किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सबसे विशाल 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो' का उद्घाटन किया

मोजाम्बिक के राष्ट्रपति न्यूसी, तिमोर लेस्टे के राष्ट्रपति जोस होर्टा की उपस्थिति

पीएम ने इंटरनेशनल पवेलियन, ई-मोबिलिटी सहित विभिन्न पवेलियन को देखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) २०२४ के अंतर्गत गांधीनगर में देश के सबसे विशाल वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो २०२४ का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मोजाम्बिक के राष्ट्रपति फिलिप न्यूसी, तिमोर लेस्टे के राष्ट्रपति जोस मैन्युअल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में स्विच ऑन करके तथा तख्ती का अनावरण कर ग्लोबल ट्रेड शो का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने 'द समिट ऑफ सक्सेस टुवर्ड्स रियलाइजेशन ऑफ फुलेस्ट पोटेंशियल ऑफ गुजरात' नामक ई-कॉफी टेबल बुक लॉन्च की। प्रधानमती द्वारा वाइब्रेंट गुजरात २०२४ अमृतकाल की प्रथम समिट की स्मृति में स्मारक सिक्के तथा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के सफलतापूर्वक २० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्मारक स्टाम्प का अनावरण भी किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट गुजरात समिट के २० वर्ष के प्रभाव पर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन द्वारा तैयार की गई अनुसंधान रिपोर्ट का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री मोदी सहित अतिथियों ने ग्लोबल ट्रेड शो में इंटरनेशनल पवेलियन, ई-मोबिलिटी, आत्मनिर्भर गुजरात, स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन टेकेड सहित विभिन्न पवेलियनों पर जाकर एग्जीबिटर्स के साथ संवाद किया तथा जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक सहित देश-विदेश के अग्रणी उद्योगपति उपस्थित रहे।

दो लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में एग्जीबिशन और स्टॉल हेलिपैड ग्राउंड, गांधीनगर में दो लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में एग्जीबिशन तथा स्टॉल वाला देश का यह सबसे बड़ा ग्लोबल ट्रेड शो १० से ११ जनवरी तक बिजनेस विजिटर्स के लिए, जबकि १२ से १३ जनवरी तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन के समय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के ब्रास बैंड तथा गुजरात पुलिस के पाइप बैंड ने संगीत की धुनों से प्रधानमंत्री सहित अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। १०वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के अंतर्गत आयोजित हो रहे इस ग्लोबल ट्रेड-शो में ऑस्ट्रेलिया, तंजानिया, मोरक्को, मोजाम्बिक, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, एस्टोनिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम (यूके), जर्मनी, नार्वे, फिनलैंड, नीदरलैंड, रशिया, रवांडा, जापान, इंडोनेशिया और वियतनाम सहित कुल २० देश अपने-अपने देशों के उद्योगों की जानकारी प्रदर्शित करेंगे। इस प्रदर्शनी में अनुसंधान क्षेत्र के लगभग १००० से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे अनुसंधान और नवाचार को प्रदर्शित करेंगे। ट्रेड शो में अतिथि के रूप में १०० देश जबकि ३४ देश पार्टनर कंट्री के रूप में हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्य पवेलियन में कई आकर्षण

इस ट्रेड शो के मुख्य पैवेलियन में नई टेक्नोलॉजी, ग्रीन एवं स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, सस्टेनेबल एनर्जी सहित आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जोर दिया गया है। ट्रेड शो में अंतरराष्ट्रीय एवं थीम पवेलियन, टेकेड पवेलियन: इनोवेशन टेकेड पवेलियन, गुजरात एक्सपीरियंस जोन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप एवं महिला उद्यमी, ई-मोबिलिटी, ब्लू इकोनॉमी, नॉलेज इकोनॉमी और स्टार्टअप्स, मेक इन गुजरात और आत्मनिर्भर गुजरात, आत्मनिर्भर भारत, सस्टेनेबिलिटी और जलवायु परिवर्तन पैवेलियन, हाइड्रोजन ईंधन और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और स्ट्रेटेजिक नेटवर्किंग के अवसरों सहित अन्य पवेलियन शामिल हैं।

ट्रेड शो में ११ और १२ जनवरी के लिए सुनिश्चित रिवर्स बायर सेलर मीट विभिन्न श्रेणियों में सप्लायरों की तलाश करने वाले १०० से अधिक देशों के विदेशी खरीदारों को आकर्षित करेगी। इनमें फार्मास्युटिकल्स और केमिकल्स, सिरामिक्स और टाइल्स, फूड एंड प्रोसेसिंग तथा उससे संबद्ध क्षेत्र, कपड़ा एवं परिधान, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग आदि शामिल हैं।

एक ही जगह सभी सेक्टर

इस ट्रेड शो में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कम्पोनेंट्स, सिरामिक्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स, जेम्स एंड ज्वैलरी, फार्मास्युटिकल्स तथा पोर्ट और मरीन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक उत्पादनों एवं सेवाओं का प्रदर्शन किया गया है। टेक्सटाइल और गारमेंट, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन हाइड्रोजन, एयर क्राफ्ट और अनुषांगिक उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम), फिनटेक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग सहित अन्य उद्योग आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

इसके अलावा, ट्रेड शो के तहत कुल १३ हॉल में 'मेक इन गुजरात' और 'आत्मनिर्भर भारत' सहित विभिन्न १३ थीमें तय की गई हैं। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए लगभग ४५० सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयां इस ट्रेड शो में सहभागी हो रही हैं, जिसके तहत महिला सशक्तिकरण, एमएसएमई विकास, नई टेक्नोलॉजी, ग्रीन और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और टिकाऊ ऊर्जा आदि पर इस प्रदर्शनी में विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संबद्ध सेवाओं (आईटी और आईटीईएस) स्टार्टअप्स एवं उनके नवीन उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए 'टेकेड' पैवेलियन तैयार किया गया है। ट्रेड शो के दौरान रिवर्स बायर सेलर मीट और वेंडर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा।

ओलपाड में सड़क के किनारे निजी कंपनी द्वारा केबल और पानी की लाइन बिछाने के संबंध में जांच और कार्रवाई की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। जिले के ओलपाड क्षेत्र में सरकारी सडक पर किसी निजी कंपनी द्वारा केबलऔर पानी की लाईन बिछाने का काम किया जा रहा है। इस काम के लिए संबंधित विभाग से अनुमति ली गई है या नही इसकी जांच करने के लिए दर्शन नायकने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

महासचिव, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं किसान तथा सहकारिता नेता दर्शन नायक ने जिला कलेक्टर, सडक एवं भवन विभाग के कार्यवाहक इंजिनियर, जलापूर्ति विभाग के इंजिनियर को दिए गए ज्ञापन में कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा हमें दिए गए निवेदन के अनुसार, ओलपाड तालुका में सड़क और भवन विभाग की नवनिर्मित सड़कों जैसे ओलपाड से करंज रोड, एरियाना से पिंजरत रोड, एडमोर- तेना रोड, सूरत-दांडी रोड पर बिजली के केबल बिछाने का कार्य वर्तमान में काम चल रहा है। पता चला कि यह काम एक निजी कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। निजी कंपनी द्वारा इस परिचालन के दौरान सड़कों की सतह, किनारे और परत को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा हमें बताया गया है कि निजी कंपनी द्वारा बिजली के तार बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढों में ढीली मिट्टी भर दी गई है और यह काम सरकारी नीतियों के खिलाफ किया जा रहा है। कई जगहों पर काम के दौरान सुरक्षा नियमों का भी ध्यान नहीं रखा जाता है जिससे दुर्घटना का खतरा रहता है। इसलिए, उपरोक्तकार्यों के संबंध में हमारे पास निम्नलिखित सुझाव और सिफारिशें हैं, जिन पर विचार करने का अनुरोध किया गया है उपरोक्तकार्य किस निजी कंपनी द्वारा किया जा रहा है? इसकी जांच होनी चाहिए। क्या इस कामगारी में सड़क के किनारे बिजली केबल बिछाने की मंजूरी सड़क एवं भवन विभाग से ली गई है? क्या सड़क एवं भवन विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है? क्या सड़क एवं भवन विभाग को उपरोक्त निष्पादन के बारे में सूचित किया गया है? इसकी तत्काल प्रभाव से जांच होनी चाहिए। यदि सड़क एवं भवन विभाग से मंजूरी या एनओसी नहीं ली गई तो काम करने वाली निजी कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।क्या इस कामगिरी का संचालन करते समय निजी कंपनी द्वारा निविदा की शर्तों का पालन किया जा रहा है? इसका सत्यापन किया जाना चाहिए। आगे बता दें कि गुजरात सीवरेज एंड वाटर सप्लाई बोर्ड (तङ्खस्स्क्क) की एक निजी कंपनी द्वारा नवनिर्मित सडक शेरडी कोसम करमाला रोड पर भी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इसके अलावा सड़क के किनारे खुदाई के दौरान, गीली मिट्टी का भंडार सड़क के आधे हिस्से तक बेतरतीब ढंग से जमा कर दिया जाता है और बड़ी मशीनरी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के बजाय सड़क पर चलाया जाता है, जिससे नवनिर्मित सड़क की सतह और कई स्थानों को नुकसान पहुंचता है। उपरोक्त दोनों मुद्दों के संबंध में मौके पर जाकर जांच करें और यदि यह पाया जाए कि कोई सरकारी सड़क क्षतिग्रस्त हुई है, तो जनहित में जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें और जुर्माना वसूल करें।

चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधिमंडल वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन का दौरा करेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। गुजरात सरकार द्वारा नए उद्योगों, नए रोजगार और नए निवेश के लिए वाइब्रेंट गुजरात की योजना बनाई गई है। गुजरात में १० जनवरी से १२ जनवरी २०२४ तक गांधीनगर में १०वां ग्लोबल वाइब्रेंट समिट-२०२४ आयोजित किया है। इस वाइब्रेंट गुजरात समिट में अमेरिका, जापान, रूस, फ्रांस और जर्मनी सहित कई देशों के २०० वैश्विक सीईओ तीन दिनों के लिए आ रहे हैं और गुजरात सहित पूरे भारत में निवेश उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसमें भाग लेने के लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया, उपाध्यक्ष विजय मेवावाला, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला और मानद कोषाध्यक्ष किरण थुम्मर सहित ३० से अधिक सदस्य का एक प्रतिनिधिमंडल रवाना हो गया है।

डाइंग मिल में लगी आग बुझाते समय अग्निशमन अधिकारी दूसरी मंजिल से गिरे

रंगाई मिल में लगी आग, आग पर सीमेंट की चादर गिरने से एक अग्निशमन अधिकारी घायल

अधिकारी फर्श से गिरे, पुलिस वैन से अस्पताल पहुंचाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना रोड नंबर ३ पर स्थित एक डाइंग मिल में आग लग गई। सेंट्रल मशीन में आग लगने से लपटों ने भीषण रूप धारण कर लिया। आग लगने की घटना की सूचना फायर स्टेशन को दी गई तो ७ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जहां फायर स्टाफ ने पानी डालकर डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन इसी बीच दूसरी मंजिल पर सीढ़ी से पानी शूट कर रहा एक अधिकारी नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल अधिकारी को तुरंत पुलिस वैन में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारी को पीठ और पैर में चोटें आईं

शंकर डाइंग मिल सूरत के उधना इलाके में उद्योगनगर रोड नंबर ३ पर स्थित है। अग्निशमन विभाग को सुबह करीब ६ बजे आग लगने की सूचना मिली तो मान दरवाजा, उधना और डुंभाल के ३ फायर स्टेशनों से लगभग ७ गाड़ियाँ घटना स्थल पर पहुँच गईं। सेंन्टर मशीन में आग लगने और मील में भारी मात्रा में ग्रे कपड़े का जत्था होने के कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया।

जैसे ही आग दूसरे मंजिल तक फैली, अग्निशमन कर्मी सीमेंट की चादरों (शेड) पर खड़े हो गए और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद दमकल विभाग आग पर काबू पाने में सफल रहा। इसी दौरान सीमेंट शेड पर चढ़कर आग बुझाने का काम कर रहे सब फायर ऑफिसर मनोज शुक्ला दूसरी मंजिल से नीचे गिर गए।

सब फायर ऑफिसर मनोज शुक्ला की कमर और पैर में गंभीर चोट आई है। इसलिए उन्हें तुरंत पुलिस वैन में अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी हालत थोड़ी गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीओ में भी रहना पड़ा, अब उन्हें आगे के इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

फायर ऑफिसर घायल होने की सूचना मिलने पर तत्काल चीफ फायर ऑफिसर बंसत परिख, मनपा आयुक्त शालिनी अग्रवाल, महापौर दक्षेश मावानी स्थल पर एवं अस्पताल में पहुंचकर घायर ऑफिसर का हाल पुछा और अधिक इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती किया गया।